॥ ओ३म्॥

# श्रथ वेदांगप्रकाशः

नघराटु

प्रकाशक—

आयं माहित्य मएडल लि॰, अजमेर

りて、よりかべんなくなり、

॥ ओ३म् ॥ अथ वेदाङ्गकाशः ★ तत्रत्यश्चतुर्दशो भागः ★ निघएदुः यास्कमुनिानिमतो वैदिककोषः श्रीमत्स्वामिद्यानन्द्सरस्वतीकृतशब्दानुक्रमिएकया सहितः श्रीपण्डितयुधिष्ठिरमीमांसकेन संशोधित: पठनपाठनव्यवस्थायां षोडशं पुस्तकम् प्रकाशक श्रार्थ साहित्य मगडल लिमिटेड, अजमेर

प्रकासक:---

भार्य साहित्य मण्डल लि०) स्रजमेरः

सुद्रकः--

शिरोशचन्द्र शिवहरे, एम. ए., दी फाइन आर्ट प्रिंटिंग प्रेस, अजमेर.

## विषयसूचीपत्रम् ॥

विषय: पृ०			पृ०	पं०	विषय:			पृ०	ųo.
प्रथमाऽध्याये					खराडे			-	
खराडे					3	मनुष्यनाम	••••	१५	9 0-
	पृथिवीनाम <del></del>	•4••	3	<b>1</b> 3	8	बाहुनाम		१५	-
<b>ર</b> 3	हिरण्यनाम स्रन्तरिक्षनाम	••••	3	७ १०	٧	श्रंगुलिनाम	****	१६	8
8	साधारणनाम		_	•	Ę	कान्तिकर्मा	••••	१६	Ę
	रश्मिनाम			8	૭	श्रनाम	****	१६	ξ o.
		••••	•	ሂ	5	श्रक्तिकर्मा वलक्ष	••••	१७	<b>₹</b>
	रात्रिनाम उषसो नाम	••••	१० १०	<b>9</b>	१०	बलनाम धननाम	••••	१ <b>७</b> १७	ક
3	ग्रहर्नाम		१०	१६	११	गोनाम	••••	१७	-
१०	मेघनाम		११	<b>?</b>	१२	<b>ऋ्ध्यतिकर्मा</b>	••••	१७	<b>9</b>
११	वाङ्नाम	••••	११	હ	l	कोधनाम		१८	8.
१२	उदकनाम		<b>१</b> ३	•	१४	गतिकर्मा	****	•	8
१३ १४	नदीनाम स्रश्वनाम		•	ų ع		क्षिप्रनाम ग्रस्तिकसम्म	••••	•	<b>જ</b>
•	अय्वनाम <b>आदिष्टोष</b> योज							•	§ S
	ज्वलतिकर्मा					व्याप्तिकर्मा			Ę
१७	ज्वलतो नाम	••••	१४	5	38	बधकर्मा	••••	२१	8.
	द्वियीयाध	याये			२०	वज्रनाम	••••	२२	₹
8	कर्मनाम	••••	१५	2	२१	ऐश्वर्यकर्मा	••••	22	9
े २	अपत्यनाम	****	१५	હ	<b>२२</b>	ईश्वरनाम	••••	२२	8.

#### विषयसूचीपत्रम्

F	वेषय:		कि	पं०	F	विय:		पृ०	чo	
सर्व	ੇ 				खर्			•		<b>F</b>
	तृतीयाध्य	ाय								
8	बहुनाम	••••	२३	२	२२	स्वपितिकर्मा	••••	२७	<b>१</b> •	1
Ą	ह्रस्वनाम '	•••	२३	ሂ	२३	कूपनाम	••••	२७	<b>{ ?</b> .	
3	महन्नाम '	•••	२३	5	28	स्तेननाम		२७	१५	\$- \$-
¥	गृहनाम '	•••	२३	१४	२५	श्रन्तहितनाम	. • • • •	२८	8	7.
¥	परिचरणकम रि	••••	२४	8	२६	दूरनाम	••,••	२५	3	
Ę	सुखनाम	•••	२४	४	२७	पुरागानाम	••••	२=	×	
•	रूपनाम '	•••	२४	5	२८	नवीननाम	••••	२६	9	
5	प्रशस्यनाम '	***	२४	१२	ļ			२६	_	
Ê	प्रज्ञानाम •	•••	२४	१४	३०	द्यावापृथिवीन	ाम	२५	88	
₹ 0		••••	२४	१८		चतुर्थाध्य	गये			
₹१	पश्यतिकर्मा '	***	२५	8	9	पदनाम		<b>5</b> .	Ð	
<b>१</b> २	सर्वपदसमाम्नयः	•••	२५	४	<b>1</b> 2	पदनाम	****	२० ३०	7	**
<b>₹</b> ३	उपमानाम '	•••	२५	૭	3	पदनाम्	••••	<b>40</b> 20	१२	
<b>3</b> 8	अर्चतिकर्मा :	•••	२४	११			•	45	9	
<b>₹</b> X	मेघाविनाम "	•••	२६	8		पश्चमाध्य	पाय			
3 &	स्तोतृनाम	•••	२६	3	8	पदनाम	••••	३३	· <b>ર</b>	
₹७	यज्ञनाम '	•••	२६	१२	२	पदनाम	••••	३३	े ३	
१८	ऋत्विङ्नाम '			१५	3	पदनाम	••••	३३	Ę	•
35	याच्याकर्मा '	•••	२७	१	8	पदनाम	••••	३३	? ३	· }
२०	दानकर्मा "	••	છ ટ્રે	ሂ	ሂ	पदनाम	••••	३ ३	<b>₹</b>	
२१	श्रध्येषग्॥कर्माः	• • •	२७	5	Ę	पदनाम	••••	३४	Ę	

# निघण्डुवैदिककोश:

#### अथास्य भूमिका

यह प्रनथ ऋग्वेदी लोगों के पिठतव्य दश प्रनथों में है। विशेष कर वेद श्रीर सामान्य से लौकिक प्रनथों से भी सम्बन्ध रखता है। यह मूल श्रीर इसका भाष्य 'निरुक्त' यह दोनों प्रनथ यास्कमुनिजी के बनाये हैं। सदा से चले श्राने से प्राचीन हैं। इसको बहुत पुस्तकों से मिलाकर जो जो पुस्तकान्तरों में विशेष शब्द पाये वे नोट में धर दिये हैं। श्राकारादिशब्दक्रम से इसकी शब्दानुक्रम-िश्वा भी बनाकर छपवाई है कि जिससे जिस शब्द को देखना चाहै मिटित देख सकता है।

इसमें पांच अध्याय हैं। इसके प्रथम अध्याय में १७ खगड, द्वितीयाध्याय में २२, तृतीयाध्याय में ३०, चतुर्थाध्याय में ३ और पश्चमाध्याय में ६ खगड हैं। इसकी शब्दानुक्रमिणका में प्रथम कोष्ठ में अकारादि शब्द और द्वितीय में जिसका नाम है, लिखा है। तृतीय अङ्क से अध्याय और चतुर्थ से खगड समभना। परन्तु यह सब शब्द वेद में यौगिक और योगकृदि आते हैं, केवल कृदि नहीं। इसमें जो पदनाम हैं वे पद्धातु के गत्यर्थ अर्थात् ज्ञान, गमन, प्राप्त्यर्थ के वाचक होकर यौगिक हो जाते हैं।

यह प्रनथ सर्वत्र उपलब्ध नहीं था, श्रब छपने से प्राप्त होने लगा है। इससे बड़ा उपकार यह होगा, कि जो पुराणवालों ने श्रिथ का श्रनर्थ किया है, सो इन श्राष्प्रम्थों से निवृत्त होकर सब के श्रातमा में सत्य का प्रकाश होगा। निदर्शन—जैसे—पुराणी लोगों ने वृत्र, शम्बर और असुर शब्द से दैत्य, निघगटुं में—मेघ। पु०—अहि० शब्द से सप, नि०—मेघ। पु०—अद्रा, गिरि तथा पर्वत से केवल पहाड़, नि०—मेघ। पु०—अश्मा, प्रावा शब्दों से पाषागा और नि०—मेघ। पु०—वराह से सुअर, नि० मेघ। पु०—धारा से जल का प्रवाह, नि०—वाणी। पु०—गौरी से महादेव की स्त्री, नि०—वाणी। पु०—कर्मकाण्डी 'स्वाहा' शब्द से अग्नि की स्त्री स्वधाशब्द से पितृ की स्त्री, नि०—स्वाहा से वाणी और स्वधा से अन्न। पु०—शची शब्द से इन्द्र की स्त्री, नि०—में वाणी, कर्म और प्रज्ञा का नाम है।

पुराणी लोग—शचीपित शब्द से देवों का राजा इन्द्र, श्रीर वेद में—वाणी, कर्म श्रीर प्रज्ञा का पालन करनेहारा खामी लिया जाता है। पु०—गय शब्द से एक मृतकों के अर्थ पिण्डप्रदानार्थ खानिवरोष, श्रीर निघण्टु में— अपत्य, धन श्रीर गृह का नाम है। पु०—धृताची शब्द से देवलोक की वेर विशेष स्त्री, श्रीर निघण्टु में—रात्रि का नाम है। श्राज कल के लोग विप्र शब्द से केवल ब्राह्मण, श्रीर निघण्टु में—बुद्धिमान का नाम है। पु०—श्रद्धा से प्रीति श्रीर श्राद्ध से मृतकों की तृप्ति मानते हैं, श्रीर निघण्टु में—श्रत् शब्द से सत्य श्रीर जिस क्रिया से सत्य का ग्रह्ण हो वह श्रद्धा, श्रीर जो इससे धर्मयुक्त कर्म किया जाय सो श्राद्ध कहाता है।

अब कहां तक लिखें, मनुष्य लोग जब इस कोश को पढ़ेंगे, तभी नवीन पुराणादि प्रन्थों का मिध्यापन और वेदों का सत्यत्व तथा वेदों के अर्थ करने में प्रवृत्ति अपने आप हो जायगी, तब तक वेदार्थ में प्रवृत्ति नहीं होती और व्याकरणादि पढ़ना निष्फल है।

यद्यपि जहां तहां यन्त्रालयों में निघएदु छपा है, तथापि इसके छापने का मुख्य प्रयोजन यही कि श्रकारादिशब्दक्रम से इसके

साथ शब्दानुक्रमणिका ठिकाने के सिहत छपवा दी है कि जिस शब्द को निकालना चाहें, उसको शब्दानुक्रमणिका के अनुकूल देख के शिव्र निकाल लेवेंगे। इससे जिसको प्रन्थ कण्ठस्थ न होगा वह भी शब्दानुक्रमणिका से लाभ ले सकेगा। अलमतिविस्तरेण बुद्धि- महर्येषु॥

इति भूमिका समाप्ता ॥

निधि(९)रामा(३)ङ्क(९)चन्द्रे १)ब्दे मार्गशीर्षसितं दले । चतुर्थ्या गुरुवारेऽयं निघएदुः शोधितोऽनघाः ॥ १ ॥ श्रीमन्महामहिमविक्रमभूपतेरैकोनचत्वारिंशदुः-एकोनविंशतितमे संवत्सरेयन्त्रणाय मुनिवर-यास्कमुनिनिर्मितः सशब्दानुक्रमणिको निघएदुः प्रेषितः ॥

स्थान— महाराणाजी का उदयपुर

दपातहरुमाख्ती

# ॥ अथ निघर्टुः॥

### प्रथमोऽध्यायः॥

गौः। गा। जा। इमा। आ। खमा (१)। छोणिः (२)। छितः। ग्रवनिः। उर्वी। पृथ्वी। मही। रिपः (३)। ग्रदितिः। इळा। निर्म्होतः। भूः। भूमिः। पूषा। गातुः। गोत्रा। इत्येक-विश्रतिः पृथिवीनामधेयानि॥१॥

हेम (४)। चन्द्रम्। ठक्मम्। अर्थः। हिरंण्यम्। पेर्शः। कृशंनम्। छोद्दम्। कर्नकम् । काञ्चनम् । भर्मे । श्रमृतंम्। स्रुत्। दर्त्रम्। जातरूपम्। इति पश्चदश हिरण्यनामानि ॥२॥

श्रम्बरम् । वियत् । व्योम । व्रहिः । धन्वं । श्रम्तारिक्षम् । श्राकाशम् । आर्पः । पृथिवी । भूः । स्वयम्भूः । अध्वा । पुष्करम् । सर्गरः (५) । समुद्रः । श्रध्वरम् । इति षोडशान्तरिक्षनामानि ॥३॥

स्वः। पृथिनः। नार्कः (६)। गौः। विष्टपम्। नभः। इति षट् साधारणानि॥ ४॥

<sup>(</sup>१) इत्यस्य स्थाने "चुमः, चामा, चामः, चामं" इति चत्वारः शब्दाः पुस्तकान्तरेषु क्वचित् क्वचित् दश्यन्ते ॥ (२) कृदिकारादोक्कनः (गणपाठ ४।१।४१) इति ङीवि सति "चोणी" इत्यपि भवति ॥ (३) स्वरभेदेन "रिपः" इत्यपि पु० २ दश्यते ॥ (४) "हेमाः" इत्यपि पु० २॥ (५) "सर्गरम्" इति खिङ्गभेदेन पुस्तकान्तरपाठः ॥ (६) "नाकाः" इति बहुवचनानाः क्वचित् ॥

खेर्दयः। किरणाः। गार्वः। रुक्षमयः (१)। श्रभीश्वः। दीधितयः (२)। गर्भस्तयः। वन्म्। छन्नाः। वस्वः। मुरोचिपाः। मुयूखाः। सप्त ऋषयः। साध्याः। सुपुणाः। इति। पश्चदश रिमनामानि॥ ५॥

आताः। आशाः। उपराः। श्राष्ठाः। काष्ठाः। व्योम। कुकुर्भः। हरितः। इत्यष्टौ दिङ्नामानि॥६॥

इयावीं। श्रुपा। शर्वरी । श्रुक्तुः । ऊम्यीं । राम्यां (३)। यम्यां। नम्यां। दोषां। नक्तां। तमः। रजः। श्रासिकी । पर्य-स्वती। तमस्वती। घृताचीं। शिरिणा (४)। मोकी । शोकीं। ऊर्थः (५)। पर्यः। हिमा (६)। वस्वीं (७)। इति अयोविंशती रात्रिनामानि॥ ७॥

विभावरी । सूनरी । भार्स्वती । भोर्द्ती । चित्रामेघा। अर्जुनी । वाजिनीवती (८)। सुम्नावरी । श्रह्ना। द्योतना । श्रदेश । अर्घश (९)। सुमृता । सुमृतांवती । सुमृतांवती । सुमृतांवरी । सुनृतांवरी । सुनृतांवरी । स्वि

बस्तोः। द्युः (१०)। भानुः। बाखरम्। स्वसंराणि। घूंसः। धर्मः। घृणः (११)। दिनंम् । दिवां। दिवेदिवे। द्यविद्यवि। इति द्वादशाहर्नामानि ॥ ९॥

<sup>(</sup>१) "र्थम्यः" इति ङीषि सति पु०२॥ (२) "दिधीतयः" इत्यपि पुस्तकान्तरपाठः।(३) "रम्या" इति पाठः॥(४) "श्रीणा" इत्यपि पु०२॥ (५) "उधा" इत्यपि पु०२॥ (६) "हिम" इत्यपि पु०२॥ (७) "वसं, वस्वां, वसी" इत्यपि पु०२॥ (८) "वाजिनिवती" इत्यपि पु०॥ (९) "अरूषी" इत्यपि पु०(१०) "वाजिनिवती" इत्यपि पु०॥ (९) "अरूषी" इत्यपि पु०(१०) "वाजिनिवती" इत्यपि पु०॥ (११) "व्याणः" इत्यपि पु०॥

अदिः। प्रावां। गोत्रः। व्रुलः। अश्नैः। पुरुभोजोः। वृद्धिः। श्रानः (१)। अश्मी। पर्वतः। गिरिः। व्रुजः। व्रुलः। व्रुत्हः। श्रम्बरः। रौहिणः। रैवतः। फुलिगः। उपरः। उपलः। च्रम्सः। अहिः। श्रभ्रम् (२) वृलाह्कः। मेर्घः। हितः (३)। श्रोदनः (४)। वृषिन्धः (५) वृत्रः। असुरः। कोर्यः। इति त्रिंशन्मेघनामानि॥ १०॥

क्लोर्कः। घारा। इळां। गौः। गोरी । गान्धर्वी । गुभीरा। गुम्भीरा। मन्द्रा। मन्द्राजनी। वाशी। वाशी

<sup>(</sup>१) "प्रशंनः प्रणंनः" इमाविष क्वचित्॥ (२) "ग्रुभ्वम्" इति पु०॥ (१) "द्रीतः" इति च पु०॥ (१) "ग्रोदुनम्" इति नपुंसकम् पु०॥ (१) "विश्वन्धः" इत्यपि पु०॥ (६) "नािलः नीिलः" इमौ क्वचित्॥ (७) "ग्रानुः" इति क्वचित्॥ (८) "क्राकुष्" इति पु०॥ (१०) "ग्रानाः" इति पु०॥ (१०) "न्रानाः" इति पु०॥ (११) "ग्रानः" इति पु०॥ (११) "ग्रानः" इति पु०॥ (११) "ग्रानः" इसौ पु०॥ (११) "ग्रानः" इमौ पु०॥ (११) "रसंः रासंः" इमौ च पु०॥ (१४) "सुप्णां" इति च पु०॥ (१५) "वेकु" इति पु०॥

अर्णः। श्रोदंः। श्रद्मं (१)। नर्भः। अर्म्भः। कर्बन्धम् (२)। स्राक्टिलम्। वाः। वनम्। घृतम्। मर्घु। पुरीषम्। पिष्पेलम्। श्रिक्षम्। विषम्। रेतः। कर्णः (३)। जन्मं (४)। वृष्कम्। ख्रिसम्। विषम्। रेतः। कर्णः (३)। जन्मं (४)। वृष्कम्। ख्रुसम्। वृष्ठम् (५)। धृश्ममं (६)। धृष्ठणम्। ख्रिरा (७) श्रुर्रिन्द्रानि (८)। धृस्मन्वत्। ज्ञामि (९)। आर्युधानि। श्रपः। अहिः। श्रुश्चरम् (१०)। स्रोतः। तृप्तिः। रसः। ध्रुष्ठमम् (११)। प्रयाः । सरः। भृषजम्। सहः। श्रवः। यहः। अर्वनम्। स्रुवनम्। श्रुवनम्। श्रुवनम्। श्रुवनम्। स्रुवनम्। स्रुवनम्।

<sup>(</sup>१) "चर्चा, चर्चाः, चन्मं" इमे त्रयः पु०॥ (२) "कर्वन्धम्" इति वकारभेदेन क्वचिद् दश्यते॥ (३) "शुक्रम्" पु०॥ (४) "ब्रह्मं जहां" इमावस्येव स्थाने पु० दश्यते॥ (५) "ब्रुर्बुरम्, ब्रुर्बुरः" इमो च पूर्ववत्॥ (६) "सुचेमा, सुचोमं" एतो च॥ (७) "सुरा, सूरा" इति पु०॥ (८) 'श्रुरारेदोनि" इति पु०॥ (९) "जामिः, जामित्रत्" इति पु०॥ (१०) "श्रुचरः, श्रुचराः" इति पाठान्तरम्॥ (११) "पयः" इत्यपि पु०॥ (१२) "यादः" इति पाठान्तरम्॥ (११) "स्वर्णाकम्" इति पु०॥ (१२) "सर्ताकम्, स्मृतीकम्" इति पु०॥ (१६) "सर्ताकम्" इति पु०॥ (१६) "गुम्भीरम्" इति पु०॥ (१८) "गुम्भीरम्" इति पु०॥ (१८) किम्भीरम्" इति पु०॥ (१८) किम्भीरम्" इति पु०॥ (१८)

हेम (१)। स्वः। सगीः। शम्बरम्। अभ्वम्। वर्षः। अम्बं (२)। तोयम्। तूर्यम्। कृषीटम् (३)। शुक्रम्। तेजः। स्वधा। वारि । ज्ञलम्। ज्लापम्। इदम्। इत्येकशतमुदकनामानि॥१२॥

श्रुवर्तयः । युव्याः (४) । खाः । स्रोराः । स्रोत्याः । पुन्यः । धुनयः । ठुजानाः । वृक्षणाः । खादोअणीः । रोधंचकाः । हृरितः । स्रार्दाः । श्रुप्रदाः । नुभन्दः (५) । वृध्वः । हिर्रण्यवणीः । रोहितः । स्रुतः । अणीः । सिन्धंवः । कुल्याः । वृधः (६) । द्वव्यः । इरान्वत्यः । पार्वत्यः (७) । स्रवन्तयः (८) । क्रजिस्वत्यः । पर्यस्वत्यः । सर्रस्वत्यः । तर्रस्वत्यः । हर्रस्वत्यः । रोधंस्वत्यः । भास्वत्यः । श्रुद्धाः । स्रातरः । नुद्धः । इति सप्तित्रंशस्वत्यः । भास्वत्यः । श्रुद्धाः । स्रातरः । नुद्धः । इति सप्तित्रंशस्वदीनामानि ॥ १३ ॥

अत्यः। हयः। अवीं। वाजी। सितः। विहः। द्याविकाः। दिश्विकावा। एतंग्वः (९)। एतंशः। पुदः। दौर्गहः। ग्रीच्चैश्रवः सः (१०)। ताक्ष्यः। ग्राद्यः। ग्राद्यः। ग्राद्यः। ग्राद्यः। ग्राद्यः। ग्राद्यः। श्रि)। ग्राद्यः। त्राद्यः। श्रि)। ग्राद्यः। १२)। द्येनासः। सुपूर्णाः। पूत्रकाः। नरः। ह्वार्याणाम् (१३)। हंसासः। अश्वाः। इति षड्विशिति-रश्वनामानि॥ १४॥

<sup>(</sup>१) "हेमा" इति पु० (२) "अम्बुः" इति लिङ्गभेदेन क्वाचित् ॥ (३) "तृपीटम्, नृपीटम्" इति पुस्तकान्तरपाठः ॥ (४) "यह्वयः" इति पु० ॥ (५) "नुभुन्वाः" इति मात्राभेदेन पु० ॥ (६) "ऋतावर्यः" इति पु० ॥ (७) "वार्वत्यः, अवत्यः" इमो पा०॥ (८) "रेवत्यः" इति पु० ॥ (९) "एतंग्वा" इति पु० ॥ (१) "एतंग्वा" इति पु० ॥ (१) "मश्चतो मश्चतः" इति पा०॥ (१२) "वार्यासोम्" इति पा०॥ (१२) "वार्यासोम्" इति पा०॥ (१२) "वार्यासोम्" इति पाठान्तरम् ॥

हर्। इन्द्रंस्य । रोहितोऽग्नेः । हरितं आदित्यस्यं । रासं-भावृश्विनोः । श्रुजाः पूष्णः । पृषंत्यो मुरुतांम् । अर्हण्यो गार्व ष्रुषसाम् । द्यावाः सावितः । विद्वसंपा बृहस्पतेः । नियुतो वायोः । इति दशाऽदिष्टोपयोजनि ॥ १५ ॥

आर्जते। आर्शते (१)। आर्थिति। दीदयति। शोचिति। मन्दते। मन्दते। रोचते। द्योतते। ज्योतते। द्युमत्। इत्ये-कादश ज्वलतिकर्माणः॥ १६॥

ज्ञमत्। कुल्मुलीकिनम्। जुञ्जुणाभवेन् । मुल्मुलाभवेन् । श्रुचिः। शोचिः। तपः । तजैः (२)। हर्रः। घृणिः (३)। श्रुङ्गाणि। इत्येकादश ज्वलतो नामघेयानि ॥ १७॥

गौर्हेमाम्बरं स्वः खेदय आताः इयावी विभावरी वस्तोरद्रिः इलोकोऽणोंऽवनयोऽत्यो हरी[न्द्रस्य आजते जमदिति सप्तदश्॥

#### इति निघण्टौ प्रथमाध्यायः समाप्तः॥

<sup>(</sup>१) ''भ्लाश्यति, भ्लाशते, भ्लाश्यते'' इसे पुस्तकान्तरेषु दृश्यन्ते॥ (२) ''पयः'' इति पु०॥ (३) ''हृणिः, ह्मणिः'' इति पाठभेदः॥

# अथ दितीयाध्यायारमः॥

अर्थः। अर्थः। दंसः। वेर्षः। वेर्षः (१)। विष्ट्वी। व्रतम्। कर्वरम्। शक्मं (२)। क्रंतुः। कृष्णंम् (३)। करणानि। करासि। कर्यनी (४)। करिकत्। चक्रत् (५)। कर्वम् (६)। कर्तीः। कर्वे । कृत्वी। धीः। शची। शमी। शमी। शक्तिः। शिल्पम्। इति षड्विंशतिः कर्मनामानि॥ १॥

तुक्। तोकम्। तनयः (७)। तोकम्। तकम्। शेषः। अप्तः। गर्यः। जाः। अपत्यम्। यहः। सूनुः। नपत्। प्रजा।

वीजम्। इति पञ्चद्शापत्यनामानि ॥ २ ॥

मनुष्याः । नरः (८) । धवाः । जन्तवः । विशः । क्षित्रयः । कृष्ट्यः । चर्षणयः । नर्द्धषः (९) । हर्रयः । मर्थाः । प्रचित्राः । प्

श्रायती। चयवाना। श्राभीश्री। क्षप्तवाना। विनुङ्गृसौ। गर्भस्ती। कुर्स्नौ। बाहू। भुरिजौ। क्षिपस्ती (११)। शकरी। भरित्रें। इति द्वादश बाहुनामानि॥ ४॥

<sup>(</sup>१) "वेशः, विष्टी" इति पुस्तकान्तर०॥ (२) "शर्म, शक्मम्" अस्येव भेदः पु०॥ (१) "कर्रणम्" इति पु०॥ (१) "क्रान्ति" इति पु०॥ (५) "च्कृतः" इति पु०॥ (६) "कर्त्तम्" इति पाठभेदः॥ (७) "तनयम्" इति लिङ्गभेदेन क्वचित् पु०॥ (८) "नर्दाः इति पुस्तकान्तरेषु॥ (९) "नर्द्वषाः" इति वचनभेदेन क्वचित् पाठः॥ (१०) "श्रयवंः" इति पु०॥ (११) "चिपती, चिपन्ती" इति पु०॥

श्रुवं: । श्रुग्वं: (१) । विद्याः (२) । क्षिपं: । द्यायाः । र्यानाः । धीतयं: । श्रुथ्येः (३) । विषः । कृक्ष्याः । श्रुवनयः । ह्यारेतंः (४) । स्वसारः । ज्ञामयंः । सनाभयः । योक्राणि । योजनानि । धुरं: । शाखाः । श्रुभीशंवः । दीधितयः । गर्भस्तयः (५) । इति द्वाविंशतिरङ्गुलिनामानि ॥ ५॥

विश्वमा । उश्मासं (६) । वेति । वेनित । वेसित (७) । वाञ्छंति । वाष्टं (८) । वनोति । जुर्षते । हथैति (९) । आचंके । उशिक् । मन्यते । छन्तसंत् (१०) चाकनंत् । चक्रमानः । कनंति । कानिषत् । इत्यष्टादश कान्तिकर्माणः ॥६॥

अन्धः (११) । वार्जः । पर्यः । प्रयः (१२) । पृक्षः । पृतः । कुतः (१३) । सिनम् (१४) । अर्वः । क्षु (१५) । धासिः । इरां । इळां । इषम् । ऊर्क् । रसः । स्वधा । श्रुकः । चर्च (१६) । नेमः । सुसम् । नमः । आर्युः । सुनृतां । अर्हा । वर्चः । कुल्लिस् । पर्यः । इत्यष्टाविंशतिरन्ननामानि ॥७॥

<sup>(</sup>१) "विश्राः" इत्यधिकं क्वचित् पु० ॥ (२) "वृशः" इति पाठान्तरम् ॥ (३) "श्रुथ्यवः, श्रुथ्याः" इति पाठान्तरम् ॥ (४) "ग्रुष्ट्रितः" इति क्वचित् पाठः ॥ (५) "सुहस्त्यः, सुस्रुतः" अस्यैव स्थाने इमी लभ्येते पु० ॥ (६) इतोऽप्रे "श्रवंवेति" इत्यधिकं पुस्तकान्तरेषु ॥ (७) "विसति, वेशिति" इति पुस्तकान्तरेपाठः ॥ (८) "वेष्टि" इति क्वचित् पु० ॥ (९) "द्र्यात्ति, उशत्" इमावधिकौ पुस्तकान्तरेषु ॥ (१०) "शंसनत्" इति पु० ॥ (११) "पार्जः" इत्यधिकं क्वचित् पु० ॥ (१२) "श्रवंः" इति क्वचित् पु० ॥ (१३) "सुतम्" इति लिङ्गभेदेन दश्यते ॥ (१४) "सीनम्" इति पु० ॥ (१५) "स्तुतम्" इति लिङ्गभेदेन दश्यते ॥ (१४) "सीनम्" इति पु० ॥ (१५) "स्तुतम्" इति पु० ॥ (१५) "स्तुतम्" इति पु० ॥

आवंपति। भवंति। बभंस्ति। वेति । वेवेष्टि। ऋष्टिपन्। बप्सिति। मसर्थः। बुब्धाम्। ह्वरति (१)। इति दशान्ति-कर्माणः॥ ८॥

ओर्जः (२)। पार्जः। शर्वः। तरः। त्वः। त्वक्षः। शर्धः (३)। बार्धः। नुम्णम्। तिविषी । शुष्मम् । शुष्णम्। शूषम्। दक्षः। व्योदनम्। सर्दः। यदः। वर्धः। वर्धः। वृजनम्। वृजनम्। वृक्ष्मः। वृजनम्। वृजनम्। वृक्ष्मः। वृजनम्। द्वाविणम्। स्यन्द्रासंः। अम्बरम्। इत्यष्टाविकतिर्वलनामानि॥ ९॥

मधम्। रेक्णः । रिक्थम् । वेदः । वरिवः। रवात्रम्। रत्नम्। रिवः। श्वत्रम् । भगः । मिळ्हु (६) । गर्यः। नृम्णम्। द्युम्नम्। तना । वन्धुः । द्रन्द्रियम्। वसुं। रायः। राधः। भोजनम् । मधा । यर्थः। ब्रह्मं। द्रविणम् (७)। श्रवः। वृत्रम् (८) । वृतम् । इत्यष्टाविद्यातरेव धनना-मानि ॥ १०॥

अघ्न्यां। ब्रह्मा । ब्रह्मियां । ख्रही । मही । स्रदितिः (९)। इळां। जगती। शक्वरीं। इति नव गोनामानि ॥११॥ रेळेते । हेळेते । भामते। भृणीयतें (१०) श्रीणातिं। स्रेषेति । दोर्घति। बनुष्यतिं। कम्पते । भोजते । इति दशः

क्रध्यातिकर्माणः॥ १२॥

<sup>(</sup>१) "ह्रयंति" पु०॥ (२) "वार्जः" इत्यधिकं क्वचित् पुस्तके॥ (३) "वृद्धः" इति पु०॥ (४) "विट्" इति पाठान्तरम्॥ (५) "धर्ण्यासे" इति प्रधानं पाठः॥ (६) "मीळ्हम्" इति क्वचित् पु०॥ (७) "शर्वः" इत्याधिकं क्वचित् ॥ (८) "ऋतम् वित्तम्" इति पु०॥ (९) "अढितिः" इति पुस्तकान्तरपाठः॥ (१०) अस्यैव स्थाने "हृण्यायते" इति क्वचित् पु०॥

हेर्छः । हरः । हाणः (१) । त्यर्जः । भामः। एहः। हरः (२) । तपुषी। जूर्णिः। मृन्युः । व्यथिः । इत्येकाद्या क्रोधनामानि ॥ १३ ॥

वर्तते। अयंते। छोटते। लोठते। स्यन्द्ते (३) कसंति। सपैति। स्यमंति। स्रवाति (४)। स्रंसित। अवंति। श्रांति। स्वांति। स्वांति। स्यांति। स्वांति। स्वांति। मार्ष्टिं। सुर्ण्याति। ज्वंति। क्रांछ्यंति। पृलेयाति। कण्टाति। पिस्याति। विस्याति। मिस्याति। प्रवंति। प्रवंति। क्यंति। क्यंति। क्यंति। क्यंति। क्यंति। स्थांति। स्थांति।

<sup>(</sup>१) "घृंणिः" इति च पु०॥ (२) "वर्रः" इति तस्येव स्थाने पुस्त०॥ (३) "स्यन्दंति" इति पु०॥ (४) "स्रांसंते" इति पाठश्च। (५) "अवंते" इत्यपि क्वचित् पु०॥ (६) "मियंचिति" इत्यपि पु०॥ (७) "अचंति" इत्यपि०॥ (८) "मिनोतिं, चिणोतिं" इति पु०॥ (९) "रिण्वंति" इत्यपि पु०॥ (१०) "वेशिष्टि, वेपिष्टि" इति क्वचित् पु०॥ (११) "योशिष्टि" इति च पु०॥ (१२) ऋ्यातिं, ऋणातिं, ऋणातिं" इति भेदः पुस्तकान्तरे॥ (१३) "द्घ्यते" इति भेदः। "नस्यंति" इत्यधिकं पु० (१४) "द्घोतिं" इति पु०॥ (१५) "अक्वयंति, अर्रुषंति" इति पाठान्तरम्॥ (१५) "अर्व्यते" इति पाठान्तरम्॥

सीयंते (१)। तकति (२)। दीयंति। ईषंति। फणंति (३)। हनति (४)। अदेति। मदेति। सस्ति। सस्ति। हर्येति। इति। इति। इङ्किति। ज्ञयंति। श्राति। गन्ति। आगंनीगन्ति। जङ्गन्ति (५)। जन्विति (६)। जसंति। गर्मति। अति। आति। आति। आति। अपति (७)। वहते (८)। रथ्यंति। जहते (९)। ष्वःकिति (१०)। ख्रुम्पति (११)। प्याति। जहति (१०)। द्रुर्यति। वाति। याति। इपति (१२)। द्राति (१३)। द्रुर्वति। प्रजित्। जर्मति। जर्वति। वञ्चाति। अनिति। पर्वति। इन्वित। द्रमिति (१५)। द्रवित। अगंन्। अर्जगन्। जिगाति। पर्वति। इन्वित। द्रमिति (१५)। द्रवित। द्रमिति (१५)। द्रवित। द्रमिति (१५)। द्रवित। द्रमिति । अगंन्। अर्जगन्। जिगाति। पर्वति। इन्वित। द्रमिति (१५)। द्रवित। द्रमिति । ज्ञुगायात् । अयथुः (१८)। इति द्राविदाशतं गातेकर्माणः॥ १४॥

<sup>(</sup>१) "डीयते" इति बहुमतः पाठः ॥ (२) "दीयते" इत्यपि क्वाचित् पा०॥ (३) अत्र "कर्णति" इत्यपि क्वाचित् पा०॥ (४) "सस्रिति, सिस्रिति, धवित, धावित, हम्मीते, हम्यति, हयिति" इत्येतेऽधिकाः पुस्तकान्तरे॥ (५) "जर्गन्ति" इत्यपि पु०॥ (६) "जर्गाति, जर्गाति" इत्यपि क्वाचित् पु०॥ (७) "ध्रुवंति" इति पाठान्तरम्॥ (८) "वलगूयिते, श्रुव्यंति" इत्यधिकं क्वाचित् पु०॥ (९) "जेहिति" इति मेदः, "वदिति राति, रूल्हिति" इत्यधिकं क्वाचित् पुस्तकान्तरपाठः॥ (१०) "पःकेति, ष्वष्किते" इति पु०॥ (११) "क्तिम्पति" इति पु०॥ (१२) "जायिति" इत्यधिकं क्वाचित् पु०॥ (११) "प्तयिति" इति पु०॥ (१२) "जायिति" इत्यधिकं क्वाचित् पु०॥ (१३) "प्तयिति" इत्यप्यधिकं क्वाचित् पु० ॥ (१४) "प्रवंति" इति पु०॥ (१४) "क्वाति" इति पु०॥ (१४) "क्वाति" इति पु०॥ (१४) यकाराभावे "हन्तात्" इति पु०॥ (१८) "अर्युथुः, अर्युथुः" इति तस्यैव भेदेन पाठः॥

नु । मुक्षु । द्वन् । श्रोषम् । ज्ञीराः (१)। ज्रुणिः (२)। श्रुताः । श्रुचनासः (२)। श्रीमम् । तृषु (४)। तृर्यम् (५) त्रिणः (६)। श्राज्ञरम् (७)। भुरण्युः । शु (८)। श्राशु । श्राशुः (९)। तृतुंजिः (१०)। तृतुंजानः (११)। तृज्यमानासः । अज्ञाः (१२) साज्ञिवित् (१३) द्युगत् (१४)। ताजत् । तुराणः । वातरहाः । इति षड्विंशतिः क्षिप्रनामानि १५

तिळित् (१५)। आसात् (१६)। अम्बरम्। तुर्वशे (१७)। अस्तमानाम्। अवस्ति। आके। उपाके। अविके (१८)। अस्तमानाम्। अवसे। उपमे। इत्येकादशान्तिकनामानि॥ १६॥

रणः। विवाक्। विखादः। नुबनुः। भरें। ग्राक्रन्दे। श्राह्वे। ग्राजौ। पृत्नाज्यम्। ग्राभीकें। समीकें। समस्यम्। नेमधिता (१९)। सङ्काः। समितिः। समनम्। मीळहे। पृतनाः। स्पृष्ठः। मुर्धः। पृत्सु । समत्सुं। समर्थे। समर्थे।

<sup>(</sup>१) "जिरा" इति पु०॥ (२) "जूर्सीः" इति ङीप्भेदेन दीर्घान्तः पु०॥ (३) शुघ्रन्ताः, शूघ्रनाः, शूघ्रनाः" इति तस्येव भेदेन पाठान्तरम्॥ (४) "त्रिषु" इति पु०॥ (५) "तोयम्" इति पाठान्तरम्॥ (४) "त्रिषु" इति पु०॥ (५) "जीर्यम्" इति पा०॥ (६) "त्रिषि" इति जिङ्गभेदेन पा०॥ (७) "अतिरम्" इत्याद्यदात्तस्वरभेदेन क्वचित् पाठः॥ (८) "श्राशुः, शुः" इति प्रतापरयोभेदः पु०॥ (९) "प्लाशुचित् प्राशुवित्" इति पाठान्दरम्॥ (११) "त्र्तंजानासः" इति पा०॥ (१२) "अर्जराः" इति पा०॥ (१३) "त्र्तंजानासः" इति पा०॥ (१२) "अर्जराः" इति पा०॥ (१३) "युगत्" इति पुरुष्तकान्त०। (१४) "युगत्" इति पु०॥ (१५) "त्र्वंशः" इति पा०॥ (१८) "श्रुष्ताः" इति तकारान्भावे तस्येव भेदः॥ (१७) "तुर्वशः" इति पा०॥ (१८) "श्रुष्ताः" इति पु०॥ (१९) "नेमिधितिः" इति पा०॥

समोहे (१)। समीथे (२)। सङ्ख्ये। सङ्गे। संयुगे (३)। सङ्ग्रथे। सङ्ग्रथे। पृक्षे। स्राणो (४)। शूरंसातो। सङ्ग्रथे। सुमनीके। खर्ले। खर्जे। पाँस्ये। महाधने। वार्जे। अज्मे। सद्मे (५)। संयत्। संवतः (६)। इति पर्चत्वारिंशत् संग्रामनामानि॥ १७॥

इन्वति। नक्षति (७) ग्राक्षाणः। आनंद्। आष्टं (८)। ग्रापानः। अर्घत्। नर्घत्। ग्रानुको। अश्नुते । इति दश व्या-तिकर्माणः॥ १८॥

हुभनोति (९)। इनथीत। ध्वरंति । धूर्वति । वृणाक्ति। वृश्चति । कृण्वति । कृण्वति । कृण्वति । कृण्वति (१०)। श्वसिति (११)। नर्भते (१२)। श्वर्यति । स्तृणाति । स्नेहयंति (१३)। यातयंति (१४)। स्फुरति । स्फुलति । निर्वपन्तु । अवंतिरति । वियातः । आतिरत् । त्रिल्त् । आखण्डल । द्रूणाति । रुम्णाति । कृणाति । क्ष्येवि

<sup>(</sup>१) "सुम्मेहि" इति पु०॥ (२) "सुमिथे, सुङ्क्वे" इति पूर्वापरयोभेंदेन पाठः (३) इत्यस्मात् पूर्वं "सुयत्" इत्यधिकं क्वचित् पुस्तके॥ (४) "प्रधने" इत्यधिकं क्वचित् पु०॥ (५) "अग्रान्त्र सम्मन् स्परमन्" इत्येतेऽधिकाः पु०॥ (६) "संवर्तम्" इति पाठान्तर ए॥ (७) "नुन्त्रे" इति पा०॥ (८) "आष्टं, आष्टंः, आष्टंः" इति तस्येव भेदः॥ (९) "अर्थित" इत्यधिकं क्वचित् पु०। "अर्थित" इति परस्यपाठान्तरम्॥ (१०) "कृणित्ते ऋणित्ते" इति पु०। (११) "अर्थित" इति पा०॥ (१२) "नर्भित" इति पु०॥ (११) "अर्थित" इति पा०॥ (१२) "नर्भित" इति पु०॥ (११) "स्त्रेहंति" इति पूर्वस्येव भेदपाठः। "अर्दित मद्ति" इत्यधिकं क्वचित्॥ (१४) "याचिति, याविते" इति पुस्तकान्तरपाठः॥ (१५) "नित्रेथिते, नित्रोशयिते" इति भेदेन क्वचित् पाठः॥

(१) । मिनाति । मिनोति । धर्माते (२)। इति त्रयस्त्रि-शद् बधकर्माणः॥ १९॥

दिद्यत्। नोमेः। हेतिः । नर्मः । प्रविः । मुकः । वृकः। वर्षः। वर्षः । श्रुर्कः । श्रुर्कः । श्रुर्कः । कुलिंशः । तुजः। तिगमम् (४) । मोनिः । स्विधितिः । सार्यकः । प्रश्रु । इत्यप्रादश् वज्रनामानि ॥ २०॥

इर्ज्याते। पत्यते। चर्यति (५)। राजाति। इति चत्वार ऐश्वर्यकर्माणः॥ २१॥

राष्ट्री। श्रयः। नियुत्वान्। इतहनः। इति चत्वारीश्वरना-मानि॥ २२॥

अपस्तुङ्मनुष्या आयत्ययुवी वश्म्यंन्ध आवयत्योजो मधमद्भ्या रेळेते हेळो वर्तते च तळिद्रणं इन्वति दभ्नोति दिद्यद्दिरज्यति राष्ट्रीति द्वाविंशतिः॥

इति निघण्टौ द्वितीयाध्यायः समाप्तः ॥

<sup>(</sup>१) "ब्रहेयति" पु०॥ (२) "जूर्वति" इत्यधिकं क्वचित्॥ (३) "श्रुत्कः" इति पु०॥ (४) 'तुक्तः, तिग्मः" इति पाठान्तरम्॥ (५) 'च्चियति" इति क्वचित् पाठः॥

## अथ तृतीयाध्यायार्मभः॥

हर। तुवि। पुरु। भूरि। शश्वत्। विश्वम्। परीणसा। व्यानाशः। शतम्। सहस्रम्। साळ्लम् (१)। कुवित्। इति द्वादश बहुनामानि॥१॥

त्रमृहन् (२) ह्र्स्वः । निवृष्वः (३)। मायुकः । प्रतिष्ठा। कृधु (४)। व्रम्नकः । द्रभ्रम् (५) । त्र्रभ्रकः । क्षुल्लकः । अल्एः (६)। इत्येकादश ह्रस्वनामानि ॥ २॥

महत् (७)। ब्रध्नः । ऋष्वः । बृहत् (८)। ब्रिक्षितः ।
त्वसं:। तृविषः । महिषः । अभ्वंः । ऋभुक्षाः । वृक्षाः ।
विह्याः। बृहः । वृवक्षिथ । विवंश्वसे । ऋभुणः । माहिनः ।
गुभीरः । कृकुहः (९)। रुमुसः । व्रार्धन् (१०) । बिर्प्शी।
अद्भुतम् (११)। बंहिष्ठः (१२)। बहिषत् (१३) । इति
पञ्चविद्यातिर्महन्नामानि ॥ ३॥

गर्यः। छदंरः। गर्तः। हर्म्यम्। अस्तम्। पुस्त्यंम्। दुरोणे। नीळम्। दुर्याः। स्वसंराणि । श्रमा । दमें। छात्तः। योनिः। सद्या। जरणम्। वर्र्षथम्। छदिः। छदिः। छाया। जर्मे। अज्मं (१४)। इति द्वाविंजातिर्गृहनामानि ॥ ४॥

<sup>(</sup>१) "स्रिन्" इति पुस्तकान्तरपाठः ॥ (२) "रिहम्, ऋहम्, ऋहत्" इति पा०॥ (३) "तृषमः, ऋष्रमः" इत्यधिकौ पु०॥ (४) "ऋष्रकः, ऋष्रंकः" इति पुस्तकान्तरपाठः॥ (५) "दहर्रकः, देहर्रकः" इमावधिकौ पु० (६) "अल्पंकम्" इति पा०॥ (७) "महः" इति पु०॥ (८) "तुर्चः" इत्यधिकः पु०॥ (९) "क्कुहस्तिना" इति पाठभेदः॥ (१०) "बार्धम्, ब्रार्धत्" इति पु०॥ (११) "अद्भुतः" इति जिङ्गभेदः॥ (१२) "बर्हिषः" इति पु०॥ (१२) "वर्हिषः" इति पु०॥ (१३) "वर्हिषः" इति पु०॥ (१३) "वर्हिषः" इति पु०॥

इर्ज्यति (१)। विधेमं। सूपर्याते। नुमुस्यति। दुवस्यति। ऋध्नोति। ऋणाद्धे। ऋच्छति। सपति (२)। विवासति। इति दश परिचरणकर्माणः॥ ५॥

शिम्बातां। शतरां। शतिपन्ता। शमें (३)। स्यूमकम्। शेवृधम्। मयः। सुग्रयम्। सुदिनम्। शूषम्। शुनम्। श्रयम्। (४)। भेषजम्। जलाषम्। स्योनम्। सुग्नम्। शेवम्। शिवम्। शम्। कम्। इति विशातिः सुखनामानि॥६॥

निर्णिक्। वृतिः। वर्षः। वर्षः (५)। श्रमितिः। अव्संः (६)। व्हः। अवनः। पिष्टम्। पेर्गः। कृत्रीतम्। मुक्त् (७)। अर्जुनम्। ताम्रम्। श्रम् ष्म्। शिल्पम् (८)। हाति योडश रूपनामानि॥ ७॥

श्रुसेमा। अनेमा। अनेद्यः (९) श्रुनवद्यः। अनिभिशस्ताः (१०)। उक्थ्यः। सुनीथः। पार्कः। वामः । व्युनेस् । इति दश प्रशस्यनामानि ॥ ८॥

केर्तः। केतुः (११)। चेर्तः। चित्तम्। कर्तुः। असुः। धीः। शर्चाः। अर्चाः। अर्थः। अर्थाः। अर्थाः। अर्थाः। अर्थाः। इत्येकाद्शः प्रज्ञानामानि॥९॥

बर्। अत्। <u>प्रत्रा। श्रद्धा। इत्था। ऋतम्। इति षर्</u> सत्यनामानि॥ १०॥

<sup>(</sup>१) "इर्ध्यित" इति पा०॥ (२) "शर्वित" इति पा०॥
(३) "शिल्गुः" इति बहुमतः पा० (४) "श्रुग्म्यम्" इति पा०॥
(५) "अपुः" इत्यधिकं क्वचित्॥ (६) "बप्संः" इति पा०॥
(७) "प्सरः" इति पा०॥ (८) "शब्यम्, शिष्यम्" इति पा०॥
(९) "अनिन्दाः" इत्यबिकं पु०॥ (१०) "अनिभशस्तिः" इति
[बहु] सम्मतः पाठः॥ (११) "कुतुः" इति पु०॥

चित्रयंत् (१)। चाकनत्। (२)। आचंद्रम (३)। चष्टें। विचर्षे। विचर्षाणेः । विश्वचर्षाणः । श्रुवचाकशत्। इत्यष्टो पश्यतिकर्माणः ॥ ११॥

हिर्कम्। नुकम्। सुकम्। ग्राहिर्कम्। आकीम् (४)। निर्कतः। मार्कः। नकीम्। आकृतम्। इति नवीत्तराणि पदानि सर्वपदसमामनायः॥ १२॥

इदमिव। इदं यथा। श्राशिक्तं थे। चतुर्राहेचहद्मानात्। ब्राह्मणीं वितचारिणः। दृक्षस्य नु ते पुरुहृत व्याः। जार आ भगम्। मेषो भूतो अभि यन्नयः। तद्रुपः। तद्रणः। तद्रत्। तथां। इत्युपमाः॥ १३॥

अर्चिति। गायति। रेभिति। स्तोभिति। गूर्धयति। गृणाति। जरते (५)। ह्वयते (६)। नदीति। पृच्छति। रिहति। धर्मिति। कृपायति (७)। कृपण्यति। प्रनस्यति (८)। प्रनायते । कृपायति । मन्दिते। मन्दिते। छन्दित। छद्यते (९)। शृशुमानः। र्ञ्जयति। र्जयति। शंसिति। स्तौति। यौति। रौति। नौति। भनिति (१०)। प्रणायति (११)। पर्णते। सर्पति (१२)। प्रवृक्ताः (१३)। महयति। व्राजयित।

<sup>(</sup>१) "चिक्यम्"। पा०॥ (२) "च्ना" इति पा०॥ (३) "चाक्म अर्चक्म" इति तस्येव भेदः॥ (४) "आकिम्" इति पाठा-न्तरम्॥ (५) "जरिति" इति पु०॥ (६) "ह्वयंति" पा०॥ (७) "कृपा" इति पा०॥ (८) "प्णस्यति, प्णायते" इति प्रवीपरयोभेदः॥ (१) "छ्वदयति" इति पा०॥ (१०) "भणिति" इति सत्वभेदः॥ (११) "म्णायते" इति भेदः॥ (१२) "स्विपिति" इति पा०॥ (१३) "पिपृत्ताः" इति पा०॥

पुजर्यति। मन्यते (१)। मदाति। रस्नति। स्वरंति। वेनति। मन्द्रयते (२)। जल्पति (३) इति चतुश्चत्वारिशदर्चतिकर्माणः ॥ १४॥

वित्रः। वित्रः। गृत्सः। धीरः। वेनः। वेधाः (४) कण्वः। त्रुप्तः। कविः। क्विः। मुनीषी। मन्धाता। विधाता। विषः। मुनीश्चित्। विप्रश्चित्। विष्र्वातिः। क्षित्रविः। क्षित्वासः। क्ष्युद्धातयः। मृतयः। मृतुथाः (७)। व्यविद्यातिः। विष्राविनामानि॥ १५॥

रेभः। जार्ता। कारुः। नदः। स्तामुः (९)। कीरिः। गौः। सूरिः। नादः। छन्दंः। स्तुप् (१०)। कृदः। कृपण्युः। इति त्रयोदशस्तोतनामानि॥ १६॥

युज्ञः । बेनः । श्रुध्वरः । मेघंः । विद्यंः । नार्यः । सर्वनम् (११)। होत्रां । इष्टिः । देवताता । मुखः । विष्णुः । इन्दुः । युजापंतिः । धर्म । इति पञ्चदश यञ्चनामानि ॥ १७॥

भरताः (१२) । कुरवः । वाघतः । वृक्तवंहिषः । यतस्रीचः । महतः । महार्थः । देवयवः । इत्यष्टावृत्विङ्ना-मानि ॥ १८॥

<sup>(</sup>१) "स्वदित" इत्यधिकं पु०॥ (२) "कल्पेते" इत्यधिकं पु०॥ (३) "मुन्त्रयते, वन्दंते" हुमावधिकौ पुस्तकान्तरे॥ (४) "मुधः" इत्यधिकः पु०॥ (५) "विपन्यः" इति पु०॥ (६) "कुनिपः" अयमधिकः पु०॥ (७) "मुनुष्याः" [इति पाठा०]॥ (८) "मुधाविनः" इत्यधिकं पु०॥ (९) "वामुः" इति पाठान्तरम् (१०) "सुत्" इति पाठान्तरम् ॥ (११) "नारी" अयमधिकः पु०॥ (१२) "मार्वाः" इति पाठान्तरम् ॥

ईमहे। यामि । मन्महे । दुद्धि । शृष्धि (१) । पूर्दि । रिरिंडि । मिमिंडि । मिमि हे । रिरोहि । पीपरत् । युन्तारंः । युन्धि (२) इषुध्य ते । मदेशहे । मनामहे । मायते । इति सप्तदश याश्चाकर्माणः । १९॥

दाति । दार्शति । दासित । राति । रासित । पृणक्षि (३)। पृणाति (४)। शिक्षेति । तुर्ञ्जति । मंहते । इति दश दानकर्माणः ॥ २०॥

परिस्नव (५)। पर्वस्व । अभ्येष । आशिषः । इति च-

स्वपिति। सस्ति (६)। इति द्वौ स्वपितिकर्गणौ ॥ २२॥ कूर्पः। कार्तुः। कर्तः। ववः। कारः। खातः (७)। श्रुवतः। किविः (८)। सदः। उत्सेः। ऋश्यदात्। कारोत्रात् (९)। कुशयः। केवेटः। इति चतुर्दश कूपना-मानि॥ २३॥

तृषुः (१०)। तकां (११)। रिभ्वां (१२) रिपुः। रिकां। रिहायः। तायुः। तस्करः। वन्गुः। हुरश्चित्। मुषी-वान्। मुलिम्लुचः। श्रुधशैसः। वृकः। इति चतुर्दशैव स्तेननामानि॥ २४॥

<sup>(</sup>१) "वृत्थि" इति पा०॥ (२) "यन्ति" इति पाठान्तरम्॥
(३) "पृणिक्ति" इते पा०॥ (४) "वृश्चिति" इत्याधिकं पु०॥ (५)
"परिश्रव" इति शकारभेदेन पाटः॥ (६) "स्वास्ति" इति पा०॥
(७) "श्चवटः" अयमधिकः पुस्तकान्तरे॥ (८) "कृविः" इति पाठः॥
(९) "कारोत्ररः" इति पाठः॥ (१०) "त्रिपुः" इति पाठः॥
(११) "रित्ववा, त्रिक्वा, तृक्वां" इति पुस्तकान्तरपाठः॥ (१२)
"रिद्वां" इति पाठान्तरम्॥

निण्यम्। सस्वः । सनुतः । हिरुक् । प्रतीरुर्यम् (१)। श्रुपिरुर्यम् । इति षण् निणीतान्तर्हितनामधेयानि ॥ २५॥

ग्राके। प्राके। प्राचे। ग्रारे। प्रावतः । इति पञ्च दूरनामानि॥ २६॥

प्रत्नम्। प्रदिनः । प्रवयाः । सनेमि । पूर्वम् (२)। अह्नाय। इति षट् पुराणनामानि ॥ २७॥

नर्वम्। नूरनम्। नूर्तनम्। नर्वम्। इदा। इदानीम्। इति षडेव नवनामानि ॥ २८॥

प्रिविते। श्रमिते। इम्रम्। श्रमिकम्। तिरः। खतः। त्वः। नेमः। भ्रक्षाः। स्ताभः। वभ्राभः। उपाजिह्निका । ऊर्दरम्। कृद्रम्। रम्भः। पिनांकम्। मेनां। याः। श्रेपः। वैतुसः। श्रया। एना। सिर्वत्तु (३)। सर्वते। भ्यसंते (४)। रजते। इति षड्विशातिर्द्धिश उत्तराणि नामानि॥ २९॥

स्वधे (५)। पुरंग्धी। धिषणे। रोईसी (६)। क्षोणी। अम्मेसी। नर्मसी। रर्जसी। सदेसी। सदोनी। घृतवंती। बहुले। गर्भारे। गर्मीरे। ग्रोण्यौ। चर्म्बी (७) पार्श्वौ (८)। मही। उर्वी। पृथ्वी (९)। ग्रादिती। ग्रही। दूरेअन्ते। अपारे अपारे। इति चतुर्विश्वतिद्यीवापृथिवीनामधेयानि॥३०॥

<sup>(</sup>३) "प्रतिच्धीम्" इति पा०॥ (२) "पूर्वा" इति पा०॥ (३) "स्पिषित्री" इति पा०॥ (४) "नंसिते" इत्यधिकं पु०॥ (५) "स्पेश्व" इति पु०॥ (६) "रोधसी" इति वर्णभेदेनाधिकं वा पु०॥ (७) अतः पूर्व "नुष्त्री" इत्यधिकं क्वाचित्। अतोऽग्रे च "चुम्बौ" इति भेदपाठः॥ (८) "पारव्यों" इति पा०॥ (९) "वृह्दती" इत्यधिकमत्र पुस्तकान्तरे॥

उद्पृ हन्महद् गय इरज्यति शिम्बाता निर्णिगस्रेमा केतुर्बट् चिक्यद्धिकमिदमिवार्चाति विप्रो रेभो यञ्चो भरता ईमहे दाति परिस्रव स्वापिति कूपस्तुपुनिण्यमाके प्रतनन्नवम् प्रापत्वे स्वधे त्रिशत्॥

इति निघण्टौ तृतीयोऽध्यायः समाप्तः॥

### अथ चतुर्थोऽध्यायार्मः॥

जहा। निघा। शिताम। मेहनां। दमूनाः। मूर्वः (१)। इषिरेणं। कुठ्तनं। जठरें। तितंत्र । शिप्तें। मध्यां। मन्दू। ईमिन्तासः। कायमानः। लोधम्। जीरम्। विद्वेधे। दुपदे। तुग्वेनि। नसन्ते। नुसन्तः (२)। श्राहनसः। श्रद्मसत्। इष्मिणः। वाहः। परितक्म्या। सुविते। स्येने। नूचित्। नूचे। दावनें। अकूपारस्य। शिशीते। सुतुकः। सुप्रायणः। अप्रायुवः। चयवेनः। रजः। हरः। जुहुरे। व्यन्तः। क्राणाः। वाशी। विषुणः। जामिः। पिताः ज्ञानेः। अदिति। प्रेरे। जसीरः। जरते। मन्दिने। गौः। गातुः। इस्यः। तुत्ववः। चयसे। वियुते। मन्दिने। गौः। गातुः। इस्यः। तुत्ववः। चयसे। वियुते। मन्दिने। गौः। गुतुः। इस्यः। दृत्ववः। पद्वि। शि

सस्मिम्। वाहिष्ठः। दृतः। वाष्ट्रगतः। यार्यम्। अन्धः। असंश्चन्ती। वृत्वविति। तृत्वविति। मन्दनाः। ग्राहृनः। नृदः। सोमी अक्षाः। रवात्रम्। जितः। हासमाने। पृद्यिः। स्सम्। द्विता। त्राः। वृर्षः। स्वसंराणि । रार्योः। ग्रुकः। पृविः। वक्षः। धन्वं। सिनम्। दृत्था। सर्वा। वृत्वतः। आ। ग्रुसम्। पृवित्रम्। तोदः। स्वञ्चाः। शिपिविष्टः। विष्णुः। आपृणिः। पृथुज्जयाः। ग्रुथुम्। काणुका। अधिगुः। ग्राङ्गूषः। आपान्तमन्युः। श्म्रशा। वृर्वशी। वयुनम्। वार्जपस्त्यम्। वार्जगन्तमन्यम्। वार्जगन्तमन्यम्। गर्थम् (३)। गार्धता। कौरयाणः। तौरयाणः।

<sup>(</sup>१) "इषिरः" इत्याधिकं पु०॥ (२) "नस्तिः" इत्यष्यधिकं विचित्॥ (३) "गध्यति" इत्याधिकमत्र पुस्तकान्तरे॥

अड्रयाणः। इर्याणः। (१)। ग्रारितः। व्रन्दो। निष्प्पो। तूर्णाश्चम्। क्षुम्पम्। निचुम्पुणः। पदिम्। पादुः। वृक्तः। जोष्याकम्। काचिः। श्वन्नी। समस्य। कुटंस्य। चर्षाणः। शम्बः। केपयः। तुतुमारुषे। ग्रांसंत्रम्। काकुदंम्। बीरिटे। अञ्छं। परि। कृम्। सोम्। एनम्। एनाम्। सृणिः। इति चतुरुत्तमशीतिः पदानि॥२॥

श्राशुक्षाणिः । आशांभ्यः । काशिः । कुणांरुम् । श्रुलातृणः। सल्लूकम् । कृत्पयम् । विस्नुद्धः । वीरुधः । नृक्षद्दाभम्। अस्क्रधायुः। निकृम्भाः । बुबदुक्थम् । ऋदुदरः। ऋदूपे पुलुकामः । असिन्वती । कुपुना । भाऋजीकः । रुजानाः। जुणिः । श्रोमना । उपल्रप्रक्षिणी । उपसि । प्रकुलवित् । श्चभ्यर्थयज्वा। ईक्षे। क्षोणस्य । श्रम्मे। पार्थः। सर्वीमाने। सप्रथा। विद्धानि। श्रायंन्तः। श्राशीः। अजीगः। असूरः। शुश्चानः। देवो देवाच्यां कृपा । विज्ञामातुः । आमासः । स्रोमानम्। श्रन्वायम्। किम्रोदिन (२)। अमेवान्। अमीवा। दुरितम्। अप्वां। अमितिः। श्रुष्टी । पुरन्धः। रुशंत्। रिशा-द्सः। सुद्त्रः। सुविद्त्रः। ग्रानुषक्। तुर्वाणः। गिर्वणसे। श्रासूर्ते स्ते । अम्यक् । याद्दिमन् । जार्यायि । श्राश्रिया। चनः। पुचता। शुरुधः। श्रमिनः। जज्झती। अप्रतिष्कुतः। शाशदानः। सृप्रः। सुशिप्र। शिप्रे। रंसु । द्विबहीः । श्रकः। उराण । स्तियांनाम् । स्तिपाः । जबारु । जरूथम् । कुलिंगः । तुञ्जः। ब्रह्णां। तृत्नुष्टिम् । इलुविशः । कियेधाः । भूमिः।

<sup>(</sup>१) "हर्रयागाः" इति पुस्तकान्तरे नास्ति ॥ (२) "श्रुप्नः, श्रुप्मः" इत्यधिको क्वाचित् पुस्तकान्तरे ॥

विष्यतः । तुरीपम् । रास्पिनः । ऋश्वंतिः । ऋगुनिते। प्रतद्वंस् । हिनोतं । चोष्कूयमाणः । चोष्क्यते । सुमत् । दिविष्षु । दूतः । जिन्वति । अमेत्रः । ऋचीषमः । अनेर्धरातिम् । श्रम्वापाः । अनेर्धरातिम् । श्रम्वापाः । गर्वता । गर्वता । जळहंवः । बकुरः । बेकुनाटान् । श्रम्भितन । श्रंहुरः । बृतः । वाताप्यम् । चाकन् । र्थ्यति । असंकाम् । श्राध्यः । श्रम्बव्यः । सद्दान्वे । श्रिरिन्विठः । प्राध्यः । श्रम्बव्यः । सद्दान्वे । श्रिरिन्विठः । प्राध्यः । किविद्ती । कर्छती । दनः । श्राध्यः । इद्युः । किकिटेषु । बुन्दः । वृन्दम् । किः । उद्यम् । ऋबीसमृबीसमितिः द्वात्रिंशच्छतं पदानि ॥ ३॥

जहा सस्निमाशुशुक्षाणिस्रीणि ॥ ३॥

॥ इति निघरटौ चतुर्थोऽध्यायः समाप्तः॥

### अथ पश्चमाध्यायार्मः॥

श्राग्नः। जातवेदाः। वैश्वान्रः। इति त्रीणि पदानि ॥

द्वाविणादाः। इध्मः। तनुनपात्। नगुशंसः। इळः। वृद्धिः। द्वारः। उषासानका। दैव्या होतारा। तिस्रो देवीः। त्वष्टां। वनस्पतिः। स्वाहांकृतयः। इति त्रयोदश पदानि॥ २॥

अश्वः । ज्ञाकुनिः । मण्डूकाः । ग्रुक्षाः । ग्रावाणः । नाराज्ञंसः (१)। रथः । दुन्दुभिः । इपुधिः । हस्त्रः । ग्रुभीर्गवः । धर्मुः । ज्या। इषुः । ग्रुश्वाजनी । उल्लंलम् । वृष्भः । दुप्पः । प्रितः । नद्यः । आपः । ओषध्यः । रात्रिः । ग्रुप्यानी । श्रुद्धा । पृथ्वि । अप्वां । ग्रुप्रायी । उल्लंलमुसले । हाविधिने । ध्रुप्रायी । विपीद्लुतुद्दी । आत्भी । ग्रुनासीरौ । देवी जोष्टी । देवी ऊर्जाहित । इति षट्त्रिंजत् पद्दानि ॥ २॥

बायुः । वर्रणः । रुद्रः । एर्जन्यः । बृह्स्पतिः । ब्रह्मण्यतिः । क्षत्रं पतिः । वास्त्रोष्पतिः । वास्त्राष्पतिः । वास्त्राष्पतिः । वास्त्राष्पतिः । वास्त्राष्ट्रातिः । वास्त्राष्ट्रातेः । व्याप्तातः । स्मित्रः । कः । सर्ग्यान् । विश्वकर्मा । ताक्ष्यः । मृन्युः । द्राधिकाः । स्विता । त्वष्टां । वार्तः । श्राप्तिः । व्याप्तिः । अद्विनः । अस्त्रनीतिः । त्रम्तः । इन्द्रः । प्रजापतिः । अद्विः । अद्विनः । स्वप्तः । स्

श्येतः। सोमः। चन्द्रमाः। मृत्युः। विश्वांतरः। धाता। विधादा। मुरुतः। रुद्राः। ऋभवः। ऋङ्गिरसः। पितरः। अर्थ-

<sup>(</sup> १ ) "नराशंसः" इति पुस्तकान्तरपाठः ॥

विणः। भृगंवः (१) । श्राप्तयाः । अदितिः। प्रमां। सर्र-स्वती । वाक्। अर्जुमतिः । राका । सिनीवाली । कुहः। यमी । युर्वशीं। पृथिवी । इन्द्राणी । गौरी । गौः । धेनुः । अप्न्यां। प्रथां। स्वस्तिः। युषाः । इलां। रोदसी । इति पद्त्रिंशत् पदानि ॥ ५॥

श्राश्वनौ । उषाः । सूर्या । वृषाक्रपायी । सर्णयः । त्वष्टां । सृष्टिता । भगः । सूर्यः । पूषा । विष्णुः । विश्वानरः । वर्तणः । केशी । केशिनः । वृषाकिपिः । यमः । श्राज एकपात् । पृथिवी । समुद्रः । अर्थवी । मर्जुः । दृष्यङ् । श्रादित्यः । सप्त अर्थयः । देवाः । विश्वे देवाः । साध्याः । वस्तवः । वाजिनः । देवपत्न्यो देवपत्न्यः । इत्येकत्रिंशत् पदानि ॥ ६ ॥

श्राशिद्वीवणोदा अश्वो वायुः इयेनोऽश्विनौ षट्॥ ६॥ इति निघएटौ पश्चमोऽध्यायः॥ ५॥ निघएदुः समाप्तः॥

<sup>(</sup>१) ऋषयः। इत्यधिकं पुस्तकान्तरे।

### अथ निघरटोः शब्दानुक्रमणिका

पद्म्	अर्थः अध्य	य: ग	व <b>ण्</b> डम्	पद्म्	अर्थ: अध्या	य: ख	विडम्
ऋंसत्रम्	पदनाम	8	२	श्रज एक <b>पा</b>	र् पदनाम	પૂ	Ę
ऋंहुर:	,,	४	ş	श्रजगन्	गतिकर्मा	२	१४
श्चक्पारस्य	>>	४	8	श्रजाः	ऋादिष्टोपयो-		
श्रक्तुः	रात्रिनाम	१	હ		जननाम	8	१५
श्रकः	पद्नाम	8	३	श्रजिरम्	च्चिप्रनाम	२	१५
श्रद्गम्	वाङ्नाम	8	११	श्रजिराः	नदीनाम	8	१३
"	उद्कनाम	१	१२	श्रुजम	संग्रामनाम	२	१७
श्रदाः	पदनाम	8	३	,,	गृहनाम	३	8
,,	,,	¥	₹	श्रज्रा:	च्चिप्रनाम	२	<b>શ્પ્ર</b>
त्र्यितम्	उद्कनाम	8	१२	ऋग्व्य:	<b>ऋंगुलिना</b> म	२	ધ્
श्रगन्	गतिकर्मा	२	88	श् <u>र</u> तित	गतिकर्मा	ર	१४
श्रमायी	पदनाम	પૂ	₹	ऋत्य:	<b>श्र</b> श्वनाम	8	१४
श्रक्षिः	,,	¥	१,४	ऋथर्यः	श्रङ्ग लिनाम	२	 u
श्राभिन ये	उपमानाम	३	१३	श्रथर्यात <u>े</u>	गतिकर्मा	2	१४
<b>ऋश्रिया</b>	पद्नाम	४	₹	त्र श्रथयु <sup>°</sup> म्		7	, ,
श्र <b>ग्र</b> ुवः	नदीनाम	8	१३		पद्नाम	8	۲
"	श्रंगुलिनाम	२	પ્	श्रथव <u>ि</u>	"	<b>4</b>	Ę
श्रघशंस:	स्तेननाम	३	२४	श्रथर्वागः	,,	પ્	પૂ
श्रद्भया	गोनाम	₹ .	११	ऋदिति:	पृथिवीनाम	8	8
,,	पदनाम	પૂ	પૂ	"	वाङ्नाम	१	११
ऋङ्गिरसः	,,	પ્ર	પૂ	"	गोनाम	२	2 \$
श्रचद्म	पश्यतिकर्मा	ą	११	"	पदनाम	8	8
<b>अच्छ</b>	पदनाम	8	<b>ર</b>	"	<b>)</b>	ሂ	X

पदम्	अर्थः अध्या	य:	खण्डम्	पदम्	अर्थ: अध्या	य:	खण्डम्
श्रदिती	द्यावा पृथिवी	<b>-</b> 03		श्रन्तमानाम	र् श्रन्तिकनाम	२	१६
	नाम	ą	३०	T	श्चन्तरिच्नाम		3
श्रद्धा	सत्यनाम	₹	१०	श्रन्ध:	श्रन्नाम	२	<b>19</b> .
श्रद्धातयः	मेधाविनाम	₹	१५	,,	पदनाम	४	₹.
श्रद्भुतम्	महन्नाम	Ę	ą	श्रन <b>म</b> ्	उद्कनाम	१	१२
श्रद्मसत्	पदनाम	४	१	श्रपः	,,	8	₹₹
श्रद्रिः	मेघन(म	१	१०	श्रपः	कर्मनाम	२	8
श्रिशुः	पदनाम	8	?	<b>ऋपत्यम्</b>	श्रपत्यनाम	२	₹
श्रध्वरः	यज्ञनाम	₹	१७	श्रपांनपात्	पदनाम	પૂ	8
श्रध्वरम्	श्रन्तरिच्नाम	8	३	श्रपारे	द्यावापृथिवी-		
श्रध्वा	" "	8	3		नाम	३	३०
श्रनभिशस्त्य	यः प्रशस्यनाम	३	5	श्रपीच्य <b>म्</b>	<b>ऋन्तर्हितनाम</b>	३	२५
श् <del>र</del> नर्वा	पदनाम	४	३	श्रप्नः	कर्मनाम	२	\$
श्चनशरातिम	Į ",	४	₹	"	श्रपत्यनाम	२	?
श्रनवः	मनुष्यनाम	२	३	,,	रूपनाम	३	G
श्रनवद्यः	प्रशस्यनाम	ą	5	श्रप्तवाना	बाहुनाम	२	४
श्चनवब्रवः	पद्नाम	४	३	श्रप्रतिष्कुत:	पदनाम	४	₹
श्रनवायम्	,,	४	<b>ર</b>	ऋप्रायुवः	"	४	8
श्रनिति	गतिकर्मा	२	१४	श्रप्वा	3 7	४	३
श्रनिन्द्य:	प्रशस्यनाम	३	5	,,	,,	પૂ	<b>ર</b>
श्रनुमतिः	पदनाम	પૂ	પૂ	श्रप्स:	रूपनाम	३	હ
श्रनुष्टुप <mark>्</mark>	वाड्नाम	१	११	श्रमिख्या	प्रज्ञानाम	3	3
<b>ऋ</b> नेद्यः	प्रशस्यनाम	३	5	श्रमिधेतन	पदनाम	8	₹
श्रनेमाः	प्रशस्यनाम	३	5	श्रभीके	संग्रामनाम	२	<b>१</b> ७

थदम्	अर्थ: अध्याय	: ख	ग्डम्	पद्म्	अर्थ: अध्याय	ः ख	ग्डम्
-श्रभीशवः	रश्मिनाम	<b>?</b>	પ્ર	श्रम्भसी	द्यावापृथिवी-		
"	<b>ऋं</b> गुलिनाम	२	ય		नाम	३	३०
,,	पदनाम	પૂ	₹	श्रम्भृग:	महन्नाम	३	¥
श्रमीशू.	बाहुनाम	२	8	ऋम्यक	पदनाम	8	३
ऋभ्यर्घयज्व	। पदनाम	8	₹	श्रय:	हिरण्यनाम	8	3
त्र्य भ्यष	श्रध्येषणा-			श्रयते	गतिकमी	२	१४
	कर्मा	३	२१	ऋया	उत्तरपदनाम	३	35
श्रिभ्रम्	मेघनाम	8	१०	ऋयुथु:	गतिकमी	२	88
श्च्राभ्व:	महन्नाम	<b>ર</b>	₹	ऋयुधु:	,,	२	१४
श्चम्	उद्कनाम	8	१२	श्ररण्यानी	पदनाम	પ્	₹
त्र्यमितः	रूपनाम	३	છ	श्चरिन्दानि	उद्कनाम	8	१२
,,	पदनाम	४	३	<b>ऋर्षित</b>	गतिकर्मा	२	१४
ग्रमत्रः	,,	8	₹	ऋरण्योगाव	:श्रादिष्टोप-		
ग्रमवान्	,,	४	३		योजन	\$	१५
श्रमा	गृह्नाम	३	४	ऋरुष:	श्रश्वनाम	\$	१४
ऋमिनः	पदनाम	४	<b>ર</b> ્	श्चरुषति	गतिकमी	२	१४
स्रमीवा	,,	४	3	<b>ऋरषम्</b>	रूपनाम	રૂ	છ
ग्रमूर:	, ,	8	₹	श्चरषी	उषसोनाम	8	5
ग्रमृतम	हिरण्यन।म	8	२	ऋर्कः	श्रन्नाम	२	છ
"	उद्कनाम	8	१२	"	वज्रनाम	२	२०
<b>ऋम्बर</b> म्	<b>ऋन्तरिज्ञ</b> नाम	8	3	<b>,,</b>	पदनाम	४	२
"	श्रन्तिकनाम	२	१६	ऋर्चित	श्च चेतिकमी	३	१४
त्र्यम्बु	उदकनाम	\$	१२	श्रचि:	ज्वलतोनाम	8	१७
श्रम्भः	7 7	\$	१२	श्रजु नम	रूपनाम	<b>ર</b>	 હ

पदम्	अर्थ: अध्या	य: ख	खडम्	षद्म्	अर्थः अध्य	य: ख	ण्डम्
श्रजु नी	उषसोनाम	१	ζ,	<b>ऋ</b> विष्यन्	श्रितिकर्मा	२	ς,
ऋर्णः	उद्कनाम	8	१२	ऋव्यथय:	<b>ऋश्वनाम</b>	8	१४
ऋर्गाः	नदीनाम	१	१३	श्रशत्	व्याप्तिकर्मा	२	१८
ऋर्दित	गतिकर्मा	२	१४	श्रश्नः	मेघनाम	१	१०
<b>ऋ</b> द्यति	वधकर्म	२	38	श् <u>र</u> शनुते	व्याप्तिकर्मा	२	१८
ऋर्भकः	हस्वनाम	३	२	त्रश्मा	मेधनाम	8	१०
<b>ऋ</b> र्भकम्	उत्तरपदनाम	३	38	ऋश्वः	पदनाम	પૂ	३
श्रर्थ:	ईश्वरनाम	२	२२	ग्रश्वा:	श्रश्वनाम	8	१४
<mark>श</mark> ्रवी	श्रश्वनाम	8	१४	<b>ऋश्वाजनी</b>	पदनाम	ų,	३
<b>ऋविके</b>	ऋन्तिकनाम	२	१६	ऋिश्वनौ	,,	યૂ	Ę.
ऋलयति	गतिकमी	२	१४	श्रमक्राम	,,	४	₹:
श्रलातृणः	पदनाम	४	<b>ર</b>	<b>ऋसश्चन्ती</b>	,,	8	२
ऋल्प:	हस्वनाम	₹	२	श्रसामि	,,	४	₹.
<b>ऋल्पकम</b> ्	,,	₹	<b>ર</b>	श्रसिक्नी	रात्रिनाम	8	<b>9</b> ~
श्रव:	श्रननाम	२	છ	श्रसिन्वती	पदनाम	8	₹.
<b>ऋवचाकश</b>	त् पश्यतिकमी	३	११	श्रमु:	प्रज्ञानाम	3	3
श्रवतः	कूपनाम	₹	२३	श्रमुनीतिः	पदनाम	પૂ	8
श्रवति	गतिकमी	२	१४	श्रमुर:	मेघनाम	\$	<b>₹</b> •-
<b>श्र</b> वते	"	२	१४	त्र्यस्तें स् <b>तें</b>	पद्नाम	४	3
श्रवतिरति	वधकर्मा	२	38	श्रस्कुधोपु:	"	8	₹
ऋवनयः	नदीनाम	\$	१३	<b>ऋस्तम्</b>	गृह्नाम	3	8
77	श्रङ्गु लिनाम	₹	ય	<b>ऋस्तमी</b> के	श्रन्तिकनाम	२	१६
श्रवनिः	पृथिवीनाम	\$	8	श्रस्मे	पदनाम	8	₹
ग्रवमे	श्रन्तिकनाम	२	१६	<b>ऋस्य</b>	<b>&gt;&gt;</b>	X	*

## शब्दानुक्रमशिका

पद्म्	अर्थ: अध्याय	r: ₹	वण्डम्	पदम्	अर्थः अध्या	यः ख	ण्डम्
श्रस्याः	पदनाम	8	१	त्राज्ाणः	व्याप्तिकर्मा	२	१८
श्रस्रमाः	प्रशस्यनाम	₹	5	श्राखण्डल	वधकर्मा	२	38
श्रह्ना	उषसोनाम	8	5	श्रागनीगन्ति	गतिकर्मा	२	१४
ऋहि:	मेघनाम	8	१०	श्रावृणि:	पद्नाम	8	२
"	उद्कनाम	8	१२	श्राङ्गूषः	,,	8	<b>२</b> .
37	पदनाम	પૂ	४	श्राचके	कान्तिकर्मा	२	६
<b>ऋ</b> हिबु <sup>°</sup> ध्न्य:	"	પૂ	8	श्राचद्म	पश्यतिकर्मा	₹	<b>११</b>
श्रही	गोनाम	२	११	<b>ऋाजौ</b>	संग्रामनाम	२	१७
"	द्यावापृथिवी-			त्रागौ	"	२	१७
	नाम	ą	३०	त्र्याताः	दिशोनाम	8	६
श्रह:	श्रहनीम	8	3	श्रातिरत्	वधकर्मा	२	38
ऋहाय	पुरागनाम	३	२७	श्राधवः	पदनाम	8	₹
ऋह्यागः:	पदनाम	४	२	<b>ऋा</b> नट्	व्याप्तिकर्मा	२	१८
刻[	उपमानाम	₹	१२	<b>ऋानशे</b>	"	२	१८
7 7	पदनाम	४	२	<b>ऋानुषक्</b>	पदनाम	8	₹
<b>ऋाकाशम्</b>	श्रन्तरित्त्नाम	१	₹	श्रापः	श्रान्तरिज्ञना	म १	₹
श्राकीम्	सर्वपदसमा-			,,	उद्कनाम	8	१२
10.3	म्राय	२	१२	"	पदनाम	¥,	₹.
<b>ऋाकृतम्</b>	सर्वपदसमा-			ऋापान:	ठ्याप्तिकर्मा	२	१८
	म्नाय	₹	१२	श्रापान्तमन	युः पदनाम	8	२
त्राके	श्रन्तिकनाम	२	१६	ऋाप्त्याः	"	¥,	Ц.
"	दूरनाम	3	२६	ऋायती	बाहुनाम	२	8
श्राकेनिक:	मेघाविनाम	3	<b>શ્</b> પ્	ऋायवः	मनुष्यनाम	२	₹
श्राकन्दे	संप्रामनाम	२	१७	श्रायुः	श्रन्नाम	?	, <b>y</b> ,

पदम्	અર્થ: અધ્ય	याय:	खण्डम्	पदम्	अर्थः अध्य	ाय:	खण्डम्
ऋायुधानि	उद्कनाम	ş	१२	इदमिव	उपमानाम	ą	१३
श्रारितः	पदनाम	४	२	इदंयथा	,,	ą	१३
त्र्यारे	दूरनाम	ą	२६	इदंयु:	पदनाम	8	3
श्रात्नीं	पदनाम	પૂ	ą	इदा	नवीननाम	ą	२८
श्रार्थति	गतिकर्मा	२	१४	इध्म	पदनाम	ų	<b>ર</b>
श्रावयति	श्रित्तिकर्मा	२	5	इन:	ईश्वरनाम	२	२२
श्रावयाः	उद्कनाम	8	१२	इन्दु:	उद्कनाम	8	१२
श्राशाः	दिशोनाम	8	६	>>	ज्वलतोनाम	१	१७
त्र्याशाभ्यः	पदनाम	४	₹	"	पदनाम	ų	8
आशिषः	त्र्यध्येषगाका अध्येषगाका	र्ना ३	२१	इन्द्र:	"	પૂ	8
श्राशीः	पदनाम	४	३	इन्द्राणी	"	પૂ	પૂ
त्र्याशु	चिप्रनाम	२	<b>શ્</b> પ્	इन्द्रियम्	धननाम	२	१०
त्र्याशुः	श्रश्वनाम	१	१४	इन्वति	गतिकर्मा	२	१४
त्राशु <b>शु</b> त्ति	गः पदनाम	8	३	,,	व्याप्तिकर्मा	२	१८
श्राष्ट	व्याप्तिकर्मा	२	१८	इयच्ति	गतिकर्मा	२	88
श्राष्ठाः	दिशोनाम	१	ξ	इयर्ति	, ,	२	१४
श्रासात्	श्रन्तिकनाम	२	१६	इरज्यति	ऐश्वर्यकर्मा	२	२१
श्राह्न:	पदनाम	४	8	"	परिचरणकर्मा	३	¥,
श्राहवे	संप्रामनाम	२	१७	इरा	श्रन्ननाम	२	G
<b>अहिकम्</b>	सर्वपदसभा-			इरावत्यः	नदीनाम	8	१३
**	म्नाय	₹	१२	इ्ळ:	पदनाम	ų	२
इत्था	सत्यनाम	ą	80	इ्ळा	पृथिवीनाम	8	*
"	पदनाम	8	2	,,	वाङ्नाम	9	<b>१</b> १
इदम्	उद्कनाम	\$	१२	"	श्रन्नाम	२	6

थदम्	अर्थ: अध्याः	य: ख	ण्डम्	पदम्	अर्थः अध्यार	1: ख	ण्डम्
ङ्ला	गोनाम	२	88	उत्स:	कूपनाम	३	२३
<b>5</b> 7	पद्नाम	ሂ	પ્ર	उदकम्	उदकनाम	8	१२
इलीबिश:	पद्नाम्	8	3	उपजिह्निका	उत्तरपद्नाम	३	35
इ्व	उपमानाम	ą	१३	उपब्दि:	वाङ्नाम	\$	88
इषति	गतिकर्मा	२	१४	उपमाः	उपमानाम	३	१३
इषम्	श्रनाम	२	છ	उपमे	श्रन्तिकनाम	२	१६
इषिरेण	पदनाम	૪	8	उपर:	मेघनाम	8	१०
इषु:	"	ሂ	3	उपरा:	दिशोनामानि	8	Ę
इषुधिः	, <b>,</b>	ሂ	३	उपलः	मेघनाम	8	१०
इषुध्यति	याच्ञाकर्मा	३	38	उपलप्रिच्ग	गिपदनाम	४	₹
इष्टिः	यज्ञनाम	₹	१७	उपसि	"	४	¥
इष्मिग:	पदनाम	४	१	उपाके	<b>ऋन्तिकनाम</b>	२	१६
ईक्षे	"	४	<b>३</b>	उराणः	पदनाम	8	₹
ईङ्खते	गतिकमी	२	१४	उरु	बहुनाम	३	8
ईम्	उदकनाम	१	१२	उर्वशी	पद्नाम	४	२
,,	पदनाम	४	२	"	<b>,</b> ,	ሂ	X
ईम <b>हे</b>	याच्त्राकर्मा	₹	38	उर्वी	<u>ष्ट्रि</u> थिवीनाम	\$	\$
इतें	गतिकर्मा	२	१४	"	द्यावापृथिवी-		
ईमन्तिासः	पदकर्मा	४	१		नाम	३	३०
ईषति	गतिकमी	२	१४	उर्वः	नदीनाम	8	<b>१३</b>
ईहते	<b>7</b> )	२	१४	उ <b>लूखलम्</b>	पदनाम	X	3
उक्थ्य:	प्रशस्यनाम	३	ζ	उल्खलमुर	नले ,,	ሂ	<b>३</b>
उच्चा	महन्नाम	३	ষ্	उल्बम्	"	४	3
उद्गित:	33	Ŗ	३	उधिक्	कान्तिकमा	२	Ę

पद	अर्थ: अध्या	य: १	खण्डम्	पद्म्	अर्थ: अध्या	य: ।	व <b>ण्डम्</b>
उशिज:	मेघाविनाम	ą	१५	ऋगद्ध '	परिचरएाकर्मा	Ħ	ሂ
उश्मसि	कान्तिकर्मा	₹,	<b>६</b>	ऋणर्ति	गतिकमी	२	88
उषस:	ऋादिष्टो-		,	ऋगोति	गतिकमी	२	१४
	पयोजन	<b>?</b>	१.५	ऋण्वति	,,	२	8.8
उषा:	पदनाम	ų	¥	<b>ऋ</b> तः	पद्नाम	X	8
"	••	X	ધ્	ऋतम्	उदकनाम्	?	2.2
उषासानक	ता ,,	ሂ	२	"	धननाम	२	80
उस्रा	गोनाम	२	<b>?:?</b>	"	सत्यनाम	३	80
उस्राः	रश्मिनाम	?	ሂ	ऋतस्ययोनि	उद्कनाम	8	१२
उह्मिया	गोनाम	२	११	ऋदूदरः	पदनाम	8	₹
ऊति:	पदनाम	8	. २	ऋधक्	,,	४	Ş
ऊधः	रात्रिनाम	8	૭	ऋध्नोति	परिचरणकर्मा	३	×
<b>ऊक</b> '	श्रन । म	₹.	, 9	ऋबीसम्	पद्नाम	8	3
ऊर्जस्वत्यः	नदीनाम	\$	<b>१</b> .३	ऋभवः	,,	ሂ	×
ऊर्जाहुती	पदनाम	ሂ	3	ऋभुः	मेधिवनाम	3	१५
ऊद्रम्	उत्तरपदनाम	३	२६	ऋभुद्धाः	महन्नाम	३	3
ऊम्यी	रात्रिनाम	\$	છ	ऋष्यदात्	कूपनाम	३	२३
ऋक्	वाङ नामः	8	88	ऋष्व:	महन्नाम	३	3
ऋचाः	उत्तरपद्नाम	3	35	ऋहन्	हस्वनाम	3	२
ऋचीषमः	पद्नाम	४	. ३	एजित	गतिकमी	7	88
ऋच्छ्रति	गतिकमी	7	88	एलग्व:	श्रश्वनाम	\$	88
"	परिचरग्गकम्	३	X	एतशः	7 <del>7</del>	?	88
ऋजुनीती	पदनाम	8	<b>३</b>	<b>एति</b>	गतिकर्मा	२	88
ऋञ्जतिः	<b>&gt;</b> *3,	8	₹	एनम्	पदनाम	<b>%</b> .	₹

पद्म्	अर्थ: अध्याय	r: ख	ण्डम्	पद्म्	अर्थः अध्याः	यः ख	ण्डस्
एना	उत्तरपदनाम	२	२६	कत्पयम्	पदनाम	8	ŧ
एनाम्	पदनाम	४	٦	कनति	कान्तिकर्मा	२	Ę
एन्य:	नदीनाम	?	१३	कनकम्	हिरएयनाम	8	₹
एरिरे	पद्नाम	४	8	कपना	पदनाम	४	3
एह:	क्रोधनाम	२	१३	कम्	सुखनाम	₹	Ę
श्रोजः	उद्कनाम	8	१२	कम्पते	ऋध्यतिकर्मा	२	2.3
"	बलनाम	२	3	करणानि	कर्मनाम	२	8
त्र् <u>रो</u> ण्यौ	द्यावापृथिवी-			करन्ती	,,	२	\$
	नाम	3	३०	करस्नौ	बाहुनाम	२	8
ऋोदती	उषसोनाम	\$	5	करांसि	कर्मनामः	<b>२</b>	8
ऋोदन:	मेघनाम	?	१०	करिक्रत्		े २	8
श्रोमना	पदनाम	8	३	करुसम्	<b>&gt; &gt;</b>	` ۲	9
श्रोमासः	,,	४	३	करूळती	पदनाम	8	<i>3</i>
श्रोषम्	च्चित्रनाम	२	१५	कर्तः	कूपनाम	3	₹ 7₹
ऋोषधयः	पदनाम	X	३	कतंबै	कर्मनाम	۲ ت	_
ऋौच्चे:श्रव	स:श्रश्वनाम	8	१४	55	क्षाचा । च	7	<b>₹</b>
क:	पदनाम	X	8	कर्ताः <del></del>	; <b>)</b>	۲ -	<b>?</b>
ककुभः	दिशोनाम	8	દ્	कत्वम् <u>-</u>	"	٠ -	ζ.
ककुहः	महन्नाम	३	3	कवरम्	60 - 6	₹. -	8
कच्याः	श्रङ्ग लिनाम	२	X	कल्पत	श्चचेति <b>क</b> मा		
कराति	गतिकर्मा	२	१४	कल्मलीवि	नम् ज्वलतोना		१७
कण्टति	3.7	२	१४	कवते	गतिकमी	२	88
कण्ठति	"	२	१४	कवन्धम्	उद्कनाम	8	१२
कण्व:	मेधाविनाम	3	१५	कविः	मेधाविनाम	₹	१५

पदम्	अर्थ: अध्या	य: र	वण्डम्	पदम्	अर्थ: अध्यार	<b>य</b> : ख	ण्डम्
कश:	उदकनाम	\$	१२	कुटस्य	पदनाम	४	<b>ર</b>
कशा	वाङ्नाम	?	<b>११</b>	कुरगारुम्	पदनाम	४	३
कसति	गतिकर्मा	7	१४	कुत्सः	वज्रनाम	२	२०
काकुत्	वाङ्नाम	8	<b>१</b> १	कुरवः	ऋत्विङ्नाम	<b>3</b>	१८
काकुदम्	पदनाम	४	2	कुरुतन	पदनाम	8	8
काञ्चनम्	हिरण्यनाम	8	2	कुलिश:	वज्रनाम	२	२०
काट:	कूपनाम	₹	२३	"	पदनाम	४	३
कागुका	पदनाम	४	२	कुल्याः	नदीनाम	\$	<b>१</b> ३
कातुः	कूपनाम	३	२३	कुवित्	बहुनाम	३	<b>१</b>
कानिषत्	कान्तिकर्मा	२	દ્	कुशय:	कूपनाम	ą	२३
कायमानः	पदनाम	४	१	कुहू:	पदनाम	¥	ሂ
कारु:	स्तोतृनाम	३	१६	कूप:	कूपनाम	३	२३
कारोतरात्	कूपनाम	३	२३	कृण्वति	वधकर्मा	२	38
कालयति	गतिकमा	२	१४	कृत्तिः	गृहनाम	३	४
काशि:	पदनाम	४	३	कृत्तिः	पदनाम	४	२
काष्ठाः	दिशोनाम	8	દ્	कृत्वी	कर्मनाम	२	\$
कि:	पदनाम	४	Ą	कृदर:	गृहनाम	३	8
कमीदिने	"	४	३	कृदरम्	उत्तरपदनाम	ą	35
कियेधाः	"	४	<b>a</b>	कृधु	ह्रस्वनाम	३	२
किरगाः	रश्मिनाम	?	¥	कुन्तति	वधकर्मा	२	38
कीकटेषु	पदनाम	४	3	कृपण्यति	श् <del>र</del> चंतिकर्मा	३	१४
कोरिः	स्तोतृनाम			कृपण्यु:	स्तोतृनाम	३	१६
कीलालम्	श्रनाम	२	૭	कृपा	पदनाम	8	३
कीस्तासः	मेधाविनाम			कुपायति	श्रचंतिकर्मा	3	88

पदम्	अर्थ: अध्या	य∶ ख	ण्डम्	पदम्	अर्थ: अध्या	य: ख	ण्डम्
कृपीटम्	उदकनाम	\$	१२	क्षा	पृथिवीनाम	8	₹′
कृशनम्	हिरण्यनाम	?	२	क्षिगोति	गतिकर्मा	२	88
"	रूपनाम	३	9	क्षितयः	मनुष्यनाम	7	₹:
कृष्टय:	मनुष्यनाम	२	३	क्षितिः	पृथिवीनाम	8	<b>?</b> :
केत:	प्रज्ञानाम	3	3	क्षिपः	<b>ग्रंगुलिनाम</b>	२	<b>X</b> .
केतु:	प्रज्ञानाम	3	3	क्षिपस्ती	बाहुनाम	२	8
केपयः	पदनाम	४	२	क्षियति	गतिकर्मा	२	88
केवट:	कूपनाम	३	२३	क्षीरम्	उदकनाम	\$	१२
केशिनः	पदनाम	ሂ	Ę	क्षु	ग्रन्नाम	२	<b>(9</b> ,
केशी	77	ሂ	६	क्षुम्पति	गतिकर्मा	२	88
कोशः	मेघनाम	8	१०	क्षुम्पम्	पदनाम	8	₹.
कौरयागः	पदनाम	४	२	क्षुल्लक:	ह्रस्वनाम	३	3
ऋतुः	कर्मनाम	२	१	क्षेत्रस्य पति	: पदनाम	ሂ	8.
कार्गाः	पदनाम	ጸ	8	क्षोग्गस्य	"	ጸ	3:
त्रिवि:	कूपनाम	३	२३	क्षोग्गी	पृथिवीनाम	8	\$.
िकविदंती	पदनाम	ሄ	3	क्षोदः	उदकनाम	8	१२
क्षत्रम्	उदकनाम	8	. १२	क्षोदति	गतिकर्मा	२	88
"	धननाम	२	<b>१</b> o :	क्ष्मा	पृथिवीनाम	8	8
क्षद्म	उदकनाम	१	१२	खजे	संग्रामनाम	२	१७
37	ग्रन्नाम	२	હ	खले	77	२	१७
क्षप:	उदकनाम	8	१२	खाः	नदोनाम	?	१३
क्षपा	रात्रिनाम	\$	૭	खात:	कूपनाम	३	२३.
क्षमा	पृथिवीनाम	\$	१	खादो श्रग्रा	: नदीनाम	8	१३ः
क्षयति	ऐश्वर्यकर्मा	२	२१	खेदय:	रश्मिनाम	8	2

पद्म्	अर्थ: अध्यार	य∶ ख	ण्डम्	पद्म्	अर्थ: अध्या	य: ख	ण्डम्
गरा:	वाङ ्नाम	8	११	गवते	गतिकर्मा	२	१४
गधिता	पदनाम	8	२	गहनम्	उदकनाम	8	१२
गध्यम्	<b>3</b> )	४	२	गाति	गतिकर्मा	२	१४
गनीगन्ति	गतिकर्मा	२	१४	37	<b>गृ</b> थिवीनाम	8	8
गन्ति	गतिकर्मा	२	१४	गातु	पदनाम	४	8
गभस्तय:	रिशमनाम	?	X	गाथा	वाङ्नाम	?	22
ग मस्तयः	श्रंगुलिनाम	२	x	गान्धर्वीं	17	8	११
गभस्ती	बाहुनाम	२	४	गायति	ग्रर्चतिकर्मा	3	88
गभीर:	महन्नाम	३	3	गाव:	रिशमनाम	8	×
गभीरम्	उदकनाम	8	१२	"	भ्रादिष्टोपयो	•	
गभीरा	वाङ्नाम	१	<b>११</b>		जन	8	१५
गभीरे	द्यावापृथिवी			गिरि:	मेघनाम	8	१०
	नाम	३	३०	गिर्वगाः	पदनाम	४	3
गमति	गतिकर्मा	२	१४	गी:	वाङ्नाम	8	११
गम्भरम्	उदकनाम	8	१४	गृगाति	ग्रर्चतिकर्मा	₹.	18
गम्भीरा	वाङ्नाम	8	११	गृत्सः	मेधाविनाम	3	१५
गम्भीरे	द्यावापृथिवी			गोत्रः	मेघनाम	8	१०
	नाम्	3	३०	गोत्रा	पृथिवीनाम	8	8
गय:	श्रपत्यनाम	२	२	गौ:	पृथिवीनाम	8	\$
, 1,	धननाम	२	१०	77	साधारगानाम	۲ १	४
"	गृहनाम	3	٠ ૪	11	वाङ्नाम	8	११
गर्त:	गृहनाम	३	४	2.7	स्तोतृनाम	ą	१६
गल्दया	पदनाम	४	R	<b>77</b>	पदनाम	४	2
गल्दा	वाङ्नाम	<b>?</b>	<b>??</b>	71		¥	¥

पदम्	अर्थ: अध्यार	<b>य:</b> ख	ण्डम्	पद्म्	अर्थः अध्याः	य∶ रू	ण्डम्
गौरी	वाङ्नाम	8	११	चरु:	मेघनाम	१	१०
7)	पदनाम	x	ሂ	चर्षग्गयः	मनुष्यनाम	२	3
बना:	वाङ्नाम	8	११	चर्षाग्ः	पदमाम	४	२
"	उत्तरपदनाम	३	३६	चष्टे	पश्यतिकर्मा	3	88
ग्मा	पृथिवीनाम	8	8	चाकन्	पदनाम	४	3
ग्रावाग्:	पदनाम	¥	३	चाकनत्	कान्तिकर्मा	२	Ę
धर्म:	ग्रहर्नाम	<b>?</b> -	3	चिक्यत्	पश्यतिकर्मा	<b>३</b>	88
* * * * * * * * * * * * * * * * * * * *	यज्ञनाम	३	१७	चित्	उपमानाम	3	१३
घृगाः	ग्रहर्नाम	?	3	"	पदनाम	४	3
घृतम्	उदकनाम	8	१२	चितम्	बलनाम	.३	3
घृताची	रात्रिनाम	35	৩	चित्रामघा	उषसोनाम	8	5
घोषः	वाङ्नाम	8	११	चेत:	बलनाम	₹	3
घ्रंसः	ग्रहर्नाम	8	3	चोष्क्यते	पदनाम	४	3
चकमानः	कान्तिकर्मा	२	દ્	चोष्क्यमार	णः ,,	४	∙३
चऋत्	कर्मनाम	२	8	च्यवते	गतिकर्मा	२	88
चतित	गतिकर्मा	२	१४	च्यवन:	पदनाम	8	.8
चतुरश्चि-	उपमानाम			च्यवाना	बाहुनाम	२	R
द्दमानात्		₹	१३	च्यौत्नम्	बलनाम	२	3
चन:	पदनाम	४	<b>a</b>	छदयते	श्चर्यतिकर्मा	₹	88
चन्द्रम्	हिरण्यनाम	8	२	छदि:	गृहनाम	३	8
चन्द्रमाः	पदनाम	ሂ		•		२	
चमसः	मेघनाम	8	१०	छन्द:	स्तोतृनाम	३	१६
चम्बौ ह	यावापृथिवीनाम	३	३०	छन्दति	ग्रर्चतिकर्मा	₹ .	\$8
चयसे	पदनाम	४	8	छदिः गृह	नाम -	३	*

पदम्	अर्थः अध्यार	<b>य</b> :   र	वण्डम्	पदम्	अर्थः अध्याः	य∶ ख	ण्डम्
छाया	गृहनाम	₹	8	जसति	गतिकर्मा	२	१४
जगतः	मनुष्यनाम	२	نغ	जसुरि:	पदनाम	४	\$
जगति	गतिकर्मा	२	१४	जहा	"	४	8
जगती	गोनाम	२	<b>१</b> १	जा:	<b>अप</b> त्यनाम	२	₹
जगन्ति	गतिकमा	२	88	जातरूपम्	हिरण्यनाम	१	₹
जगाति	"	7	१४	जातवेदाः	पदनाम	ሂ	8
जगायात्	"	२	\$8	जामयः	श्रंगुलिनाम	२	X
जङ्गन्ति	"	२	१४	जामि	उदकनाम	₹.	१२
जज्भती:	पदनाम	४	३	जामिः	पदनाम	8.	8
जञ्जगाभव	ान् ज्वलतोनाम	?	१७	जायति	गतिकर्मा	२	88
जठरे	पदनाम	४	१	जार स्राभग	म् उपमानाम	3	१३
जन्तव:	मनुष्यनाम	<b>ર</b>	₹	जारयायि	पदनाम	४	<b>३</b>
जन्म	उदकनाम	?	१२	जिगाति	गतिकर्मा	२	38
जबारु	पदनाम	8	₹	जिन्वति	"	२	१४
जमत्	ज्वलतोनाम	8	१७	जिह्ना	वाङ्नाम	8.	8.8.
जमित	गतिकर्मा	२	१४	जीरा:	क्षिप्रनाम	२	१५
जरते	श्रर्चतिकर्मा	3	१४	जुषते	कान्तिकर्मा	२	Ę
जरिता	स्तोतृनाम	३	१६	जुहुरे	पदनाम	8	\$
जरूथम्	पदनाम	8	₹	जूरिंग:	कोधनाम	२	१३
जलम्	उदकनाम	8	१२	जेहति	गतिकमी	२	88
जलाषम्	**	\$	१२	जेहते	"	२	88
जल्पति	ग्रर्चतिकर्मा	३	१४	जोषवाकम्	पदनाम	४	?
जळहव:	पदनाम	४	3	उमा	पृथिवीनाम	\$	<b>\$</b> .
जवति	गतिकर्मा	२	88	ज्या	पदनाम	x	<b>₹</b>

पदम्	अर्थः अध्यार	ाः ख	ण्डम्	पद्म्	अर्थः अध्यार	प्र: ख	ण्डम्
ज्योतते	ज्वलतिकर्मा	8	१६	तवसः	महन्नाम	3	₹
ज्रयति	गतिकर्मा	२	१४	तविषः	"	3	3
डीयते	गतिकर्मा	२	१४	तविषी	बलनाम	२	3
तकति	,,	२	१४	तस्करः	स्तेननाम	३	28
तक्म	ग्रपत्यनाम	२	२	तस्थुष:	मनुष्यनाम	२	3
तक्वा	स्तेननाम	३	२४	ताजत्	क्षिप्रनाम	२	<b>१</b>
ततनुष्टिम्	पदनाम	४	-3	तायुः	स्तोतृनाम	3	१६
तथा	उपमानाम	३	१३	ताम्रम्	रूपनाम	३	<b>9</b>
तद्रूपः	13	₹	१३	तायुः	स्तेननाम	3	२४
तद्वत्	"	₹	१ ३	तार्क्यः	गतिकर्मा	8	88
तद्वर्गः	<b>)</b> )	3	१३	ताव्व्हि	वघकर्मा	२	38
तनय:	ग्रपत्यनाम	२	२	तिग्म:	वज्रनाम	२	₹0.
तना	धननाम	२	१०	तितउ	पदनाम	४	8
तनूनपात्	पदनाम	¥	२	तिस्नोदेवी	• ,,	¥	3
तपः	रात्रिनाम	8	७	तुक्	श्रपत्यनाम	3	२
तपुषी	क्रोधनाम	२	१३	तुग्रचा	उदकनाम	8	१२
तमः	रात्रिनाम	8	૭	तुग्वनि	"	\$	१२
तमस्वती	"	8	৩	तुज्यमान	सः क्षिप्रनाम	२	8 X
तरः	बलनाम	२	3	तुञ्जः	वज्रनाम	्र	२०
तरिंगः	क्षिप्रनाम	२	१५	तुञ्जति	दानकर्मा	3	३०∞
तरस्वत्यः	नदीनाम	8	१३	तुरीपम्		४	
तरुष्यति	पदनाम	४	२	तुरीयति	गतिकम्	२	88.
तळित्				तुर्विग्गः	पदनाम	8	<b>३</b> :
तवः	बलनाम	7	3	तुर्वशाः	मनुष्यनाम	२	₹.

पद्ध	अर्थः अध्याः	य∶ र	वण्डम्	पद्म्	अर्थ: अध्यार	य: ख	ण्डम्
तुर्वशे	श्रन्तिकनाम	२	१६	त्वष्टा	पदनाम	¥	₹.
नुवि	बहुनाम	३	. ?	त्सरति	गतिकमरि	२	१४
तूताव	पदनाम	४	\$	दंस:	कर्मनाम	२	8
तूतुजानः	क्षिप्रनाम	२	१४	दंसय:	पदनाम	४	\$
तूतुजिः	"	२	१५	दक्ष:	बलनाम	२	3
तूतुमाकृषे	पदनाम	४	२	दघ्यति	गतिकर्मा	२	१४
तूयम्	उदकनाम	8	१२	दत्रम्	हिरण्यनाम	\$	3
. 23	क्षिप्रनाम	ט ֹ	१५	दद्धि	वधकर्मा	ş	38
लूर्णाशम्	पदनाम	४	२	दिधिकाः	ग्रश्वनाम	8	१४
तूरिंग:	क्षिप्रनाम	२	१५	दिधिकावा	"	8	१४
तृग्ग ळिह	वधकर्मा	२	38	दध्नोति	गतिकर्मा	२	१४
तृपु:	स्तेननाम	३	२४	दध्यङ्	पदनाम	X	६
<b>तृ</b> प्तिः	उदकनाम	8	१२	दध्यति	गतिकर्मा	२	88
नृषु	क्षिप्रनाम	٠2	१५	दन:	पदनाम	४	3
ेत्रेजः	उदकनाम	?	१२	दभ्नोति	गतिकर्मा	२	88
% <b>33</b>	ज्वलतोनाम	8	१७	दभ्रम्	ह्वस्वनाम	३	२
तोकम्	श्रपत्यनाम	Ś	२	,,	उत्तरपदनाम	३	35
त्तोक्म	1)	२	२	दमूना	पदनाम	४	8
तोद:	पदनाम	४	२	दमे	गृहनाम	3	8
तोयम्	उदकनाम	\$	१२	दयते	पदनाम	४	8
तौरयागः	पदनाम	४	२	दाति	दानकर्मा	3	२०
त्यजः	कोधनाम	२	१३	दावने	पदनाम	४	8
त्व:	उत्तरपदनाम	२	२६	दाशति	दानकर्मा	३	२०
्रह्वक्ष:	बलनाम	२	3	दासति	<b>77</b> .	३	२०

पदम्	अर्थ: अध्याय	: ख	ण्डम्	पद्म्	अर्थ: अध्यार	<b>र</b> : स्व	ण्डम्
दिद्युत्	वज्रनाम	२	२०	देवाच्या	पदनाम	४	3
दिनम्	ग्रहर्नाम	१	3	देवीऊर्जाहुर्वि	ते ,,	x	३
दिवा	"	१	3	देवीजोष्ट्री	"	X	३
दिविष्टिषु	पदनाम	४	३	देवोदेवाच्य	कृपा,,	४	ź
दिवेदिवे	श्रहर्नाम	8	3	दैव्याहोतार	T	X	२
दीदयति	ज्वलतिकर्मा	8	१६	दोधति	ऋध्यतिकर्मा	7	१२
दीधितयः	रिशमनाम	8	ধ	दोषा	रात्रिनाम	?	છ
"	ग्रङ्गुलिनाम	२	x	दौर्गहः	ग्रश्वनाम	\$	88
द्रीयति	गतिकर्मा	२	१४	द्यविद्यवि	ग्रहर्नाम	8	3
दीयते	<b>))</b>	२	१४	द्यावापृथिर्व	ो पदनाम	ሂ	३
दुन्दुभि:	पदनाम	ሂ	<b>३</b>	द्यु:	<b>ऋ</b> हर्नाम	8	3
दुरितम्	<b>3</b> 7	४	3	द्युगत्	क्षिप्रनाम	२	१५
दुरोगो	गॄहनाम	३	४	द्यु मत्	ज्वलतिकर्मा	8	१६
दुर्याः	**	३	8	द्युम्नम्	धननाम	२	\$ 0
दुवस्यति	परिचरगाकर्मा	३	ሂ	द्योतते	ज्वलतिकर्मा	8	१६
दूत:	पदनाम	४	२	द्योतना	उषसोनाम	8	7
- 3 7	"	४	३	द्रमति	गतिकर्मा	२	88
दूरेग्रन्ते	द्यावापृथिवी-			द्रवत्	क्षिप्रनाम	२	१५
•	नाम	३	३०	द्रवति	गतिकर्मा	२	88
दृति:	मेघनाम	8	१०	द्रविगाम्	बलनाम	२	3
देवताता	यज्ञनाम	8	१७	द्रविगादाः	पदनाम		
देवपत्न्य:	पदनाम	ሂ	६	द्राति	गतिकर्मा	२	१४
देवयव:	ऋत्विङ्नाम	३	१५	द्रुघगाः	पदनाम	ሂ	3
	पदनाम					४	?

पदम्	अर्थ: अध्या	य:	खण्डम्	पद्म्	अर्थ: अध्या	य: ३	वण्डम्
द्रम्मति	गतिकर्मा	२	१४	धिषगा	वाङ्नाम	ş	११
द्रुह्यवः	मनुष्यनाम	२	3	धिषगो	द्यावापृथिवी	_	·
द्रूगाति	वधकर्मा	7	38		नाम	₹	३०-
द्रळति	गतिकर्मा	२	१४	धी:	कर्मनाम	२	8
द्वार:	पदनाम	ሂ	?	,,	प्रज्ञानाम	₹	2
द्विता	"	४	२	धीतयः	<b>ऋंगुलिनाम</b>	२	<b>X</b> .
द्विबर्हाः	7.7	४	₹	धीर:	मेधाविनाम	३	१४
धनु:	"	X	3	धुनयः	क्रोधनाम	\$	१३
धन्व	ग्रन्तरिक्षनाम	۲ <u>۱</u>	Ę	धुरः	<b>ग्रङ्गुलिनाम</b>	?	<b>X</b> ,
<b>17</b>	पदनाम	8	₹	घूर्वति	वधकर्मा	7	38
'' धन्वति	गतिकर्मा	२	१४	घेना	वाङ्नाम	\$	\$ \$
धमति	, ,	٠ ٦	۶.۶	घेनु:	"	\$	88
	वधकर्मा	٠ ٦	3 8	ध्रजति	गतिकर्मा	२	88
**	ग्रर्चतिकर्मा	ä	88	ध्रति	"	२	88.
" धमनिः	वाङ्नाम	9	99	ध्रयति	"	२	88
	•	,	9.2	ध्राति	"	२	88
धरुगम्	उदकनाम	ζ,	ς <b>Υ</b>	ध्रुवति	"	२	88.
धर्गासः	बलनाम	۲ -	3	ध्वंसति	7.7	२	88
धवति	गतिकर्मा	3	१४	ध्वरति	वधकर्मा	२	38
धवाः	मनुष्यनाम	२	₹	ध्वस्मन्वत्	उदकनाम	8	१२
धाता	पदनाम	X	प्र	न	उपमानाम	3	१ ३
धारा	वाङ्नाम	\$	\$ \$	नंसन्ते	पदनाम	४	<b>?</b>
धावति	गतिकर्मा	२	१४	नकि:	सर्वपदस-		
<b>धासिः</b>	श्रन्नाम	२	9		माम्नाय	३	8-8

पदम्	अर्थ: अध्याय	: खण	डम्	पदम्	अर्थः अध्याय	: ख <sup>n</sup>	डम्
नकीम् सर्व	पदसमाम्नाय	३	१२	नर:	मनुष्यनाम	२	३
नक्ता	रात्रिनाम		1	नराशंस:	पदनाम	ሂ	3
नक्षति	गतिकर्मा	२	88	नवते	गतिकर्मा	२	१४
नक्षति	व्याप्तिकर्मा	२	१५	नवम्	नवीननाम	३	२८
नक्षद्दाभम्	पदनाम	४	3	नवेदाः	मेधाविनाम	३	१५
नक्ष्यति	गतिकर्मा	२	88	नव्यम्	नवीननाम	३	ঽৢৢ
नद:	स्तोतृनाम	३	१६	नशत्	व्याप्तिकर्मा	२	१८
<b>)</b> )	पदनाम	४	२	नसते	गतिकर्मा	२	88
नदति	ग्रर्चतिकर्म <u>ा</u>	Ą	१४	नसन्त	पदनाम	४	8
नदनुः	संग्रामनाम	२	१७	नहुष:	मनुष्यनाम	२	<b>३</b>
नद्य:	नदीनाम	8	१३	नाकः	साधारगानाग	न १	8
"	पदनाम	ሂ	३	नादः	स्तोतृनाम	३	१६
नना	वाङ्नाम	8	११	नाम	उदकनाम	\$	१२
नपात्	ग्रपत्यनाम	२	२	नाराशंसः	पदनाम	X	3
नभः	साधारगाना	म १	४	नार्यः	यज्ञनाम	3	१७
7.7	उदकनाम	8	2	नाळी:	वाङ्नाम	8	88
नभते	वधकर्मा	२	38	निघृष्वः	ह्रस्वनाम	३	२
नभन्व:	नदीनाम	१	१३	निचुम्पुरा	: पदनाम	४	२
नमसी इ	ग्रवापृथिवीनाम	ि ३	३०	निण्यम्	श्रन्तिहतना	म ३	२४
नम:	ग्रन्नाम	२		l l	वधकर्मा	२	38
"	वज्रनाम	२	२०	निधा	पदनाम	४	8
नमस्यति	परिचरगक	र्मा ३	ሂ	निबर्हयि	त वधकर्मा	२	3 8
नम्या	रात्रिनाम	8	৩	नियुतोव	ायो: भ्रादिष्टोष	प-	
नरः	ग्रश्वनाम				योजना		१४

पदम्	अर्थ: अध्यार	य: ₹	वण्डम्	पदम्	अर्थ: अध्यार	<b>र</b> : ख	इण्डम्
नियुत्वान्	ईश्वरनाम	२	२२	नौति	श्चर्ततिकर्मा	32	१४
निऋंति:	पृथिवीनाम	8	\$	पचता	पदनाम	8	₹
निर्गिक्	रूपनाम	३	૭	पञ्चजनाः	मनुष्यनाम	२	₹
निवपन्तु	वधकर्मा	२	3 \$	पड्भि:	पदनाम	8	₹
निवित्	वाङ्नाम	8	<b>११</b>	पगाते	श्चितिकर्मा	ą	१४
निश्टम्भाः	पदनाम	४	3	पगायति	,,	3	१४
निष्पपी	"	8	२	पतङ्गाः	श्रश्वनाम	8	8
नीरम्	उदकनाम	8	१२	पतित	गतिकर्मा	3	१४
नीळम्	गृहनाम	३	8	पतयति	<b>)</b> )	२	१४
नु	क्षिप्रनाम	7	१५	पत्यते	ऐश्वर्यकर्मा	<b>ર</b>	२१′
नुकम्	सर्वपदसमा-			पथ्या	पदनाम	ሂ	ሂ
	म्नाय	3	१२	पदिम्	<b>3 3</b>	8	२
नूच	पदनाम	ጸ	8	पनस्यति	ग्रर्चतिकर्मा	त्र	१४
नूचित्	"	४	8	पनायते	"	३	१४
नूरनम्	नवीननाम	Ŗ	२८	पपृक्षाः	"	३	१४
नूत्न्म्	**	₹	२८	पय:	रात्रिनाम	१	<b>9</b>
नृम्गम्	बलनाम	२	3	72	उदकनाम	\$	१२
,,,	धननाम	7	ξo	,,,	ज्वलतोनाम	8	१७
नेदति	गतिकर्मा	२	88	"	ग्रनाम	२	9
नेम:	श्रनाम	२	૭	पयस्वती	रात्रिनाम	8	<b>9</b> .
"	उत्तरपदनाम	३	38	पयस्वत्यः	नदीनाम	\$	<b>१३</b>
नेमधिता	संग्रामनाम	7	१७	परशुः	वज्रनाम	२	२०
नेमि:		२	२०	पराके	दूरनाम	ऋ	२६
नौ:	वाङ्नाम	8	88	पराचै:	"	३	₹.

पदम्	अर्थ: अध्याय	: ख	ण्डम्	पदम्	अर्थ: अध्याय	: ख	•डम्
परावत:	दूरनाम	ૠ	२६	पाइव्यौ	द्यावापृथिवी	3	₹•
पराशरः	पदनाम	8	<b>३</b>	पितरः	पदनाम	ሂ	X
परि	पदनाम	8	२	पिता	"	४	8 3
परितक्म्य	Ţ,,	४	8	पितुः	श्रन्तनाम	२	<b>9</b>
परिस्रव	ग्रध्येषगाकर्मा	३	२१	<b>7</b> )	पदनाम	ሂ	₹:
परीग्सा	बहुनाम	3	१	पिनाकम्	उत्तरपदनाम	३	35
पर्जन्य:	पदनाम	ሂ	४	<b>पिपृक्षाः</b>	ग्रर्चतिकर्मा	३	88.
पर्गान:	मेघनाम	१	१०	पिप्पलम्	उदकनाम	8	१२
पर्वतः	,,	ş	१०	पिष्टम्	रूपनाम	३	<b>9</b> ~
पवते	गतिकमी	२	१४	पिस्यति	गतिकमी	२	88.
पवस्व	ग्रध्येषगाकम	्र इ	२१	पीपरत्	याञ्चकर्मा	३	38
पवि:	वाङ्नाम	१	११	पुरन्धिः	पदनाम	४	₹:
	वज्रनाम	<del>2</del>	२०	पुरन्धी	घावापृथिवी	3	२०
<b>)</b> )	पदनाम	४	२	पुरीषम्	उदकनाम	?	१२
पवित्रम्	उदकनाम	8	१२	पुरु	बहुनाम	3	१
`	पदनाम	४	२	पुरुभोजाः	मेघनाम	१	\$ o ·
'' पस्त्यम्	गृहनाम	<b>ર</b>	8	पुरूरवाः	पदनाम	ሂ	<b>\$</b> .
पाकः	प्रशस्यनाम	३	5	पुलुकामः	<b>,,</b>	४	3
पाज:	ग्रन्नाम	٠ ٦	હ	पुष्करम्	ग्रन्तरिक्षनाम	<del>1</del>	₹.
41.01.	बलनाम	` 2	3	पूजयति	श्रर्चतिकर्मा	3	१४
)) FTT0T•		8	` ₹	पूरवः	मनुष्यनाम	२	₹;
पाथ:	पदनाम	<b>y</b>	າ ກ	पूर्णम्	उदकनाम	8	१२
पादुः 	)} 	n	ر د ه	पूर्घ	याश्वकर्मा	` 3	38
पार्वत्यः	नदीनाम	₹ . ¬	१३			ر ع	_
पाश्वी	द्यावापृथिवी	· ३	२०ल	पूर्वम्	पुराग्गनाम	7	२७

पद्म्	अर्थ: अध्याय	[: ₹	वण्डम्	पद्म्	अर्थ: अध्यार	<b>य</b> :	खण्डम्
पूषा	पृथिवीनाम	१	१	पेश:	रूपनाम	३	હ
**	पदनाम	X	દ્	पैद्ध:	<b>ग्रश्वनाम</b>	\$	१४
पृक्षः	<b>अन्ननाम</b>	२	હ	पौंस्यानि	बलनाम	२	3
पृक्षे	संग्रामनाम	२	१७	पौंस्ये	संग्रामनाम	२	१७
पृच्छति	<b>अर्चतिकम</b> ी	३	१४	प्रकलवित्	पदनाम	४	3
<b>पृ</b> ग्राक्ष	दानकर्मा	३	२०	प्रजा	श्रपत्यनाम	२	7
पृगाक्ति	22	३	२०	प्रजापति:	यज्ञनाम	३	१७
पृगाति	<i>*</i>	₹	२०	"	पदनाम	¥,	४
पृतनाः	मनुष्यनाम	२	3	प्रतद्वसू	पदनाम	४	3
<b>3</b> 3	संग्रामनाम	२	१७	प्रतिष्ठा	ह्रस्वनाम	३	२
पृतनाज्यम्	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	२	१७	प्रतीच्यम्	निर्गीतान्तर्हित	Ī	
पृत्सु	"	२	१७		नाम	३	२५
पृथिवी	पृथिवीनाम	\$	₹	प्रत्नम्	पुरागानाम	3	२७
73	पदनाम	x	₹	प्रदिवः	<b>77</b>	₹	२७
3.1	17	ሂ	ধ	प्रपित्वे	उत्तरपदनाम	३	35
"	"	X	Ę	प्रवते	गतिकमा	२	१४
पृथुज्रया:	पदनाम	४	२	प्रवया:	पुरागानाम	३	२७
पृथ्वी	पृथिवीनास	8	8	प्राशुः	क्षिप्रनाम	२	१५
पृश्विन:	साधारगानाम	१	8	प्राशुवित्	3 <b>3</b>	२	१५
पृषत्योमरु-				प्लवते	गतिकर्मा	२	१४
ताम्	ग्रादिष्टोपयो:	?	१५	प्साति	<b>)</b>	२	१४
	जनानि			फग्ति	. ,,	२	१४
पेलयति	गतिकर्मा	२	१४	फलिग:	मेघनाम	१	१०
वेश:	हिरण्यनाम	8	₹	बकुरः	पदनाम	४	- ३

## शब्दानुक्रमशिका

पदम्	अर्धः अध्यायः	•্ব	ण्डम्	पद्म्	अर्थः अध्यायः	3	व <b>ण्डम्</b>
बट्	सत्यनाम	३	१०	बुर्बु रम्	उदकनाम	१	१२
≅बत:	पदनाम	४	3	बुसम्	"	8	85
बध:	बलनाम	२	3	बृबदुक्थम्	पदनाम	४	-
-खन्धु:	धननाम	२	१०	बृबूकम्	उदकनाम	8	१२
<b>ब</b> र्स:	रूपनाम	3	હ	बृहत्	महन्नाम	३	3
-बप्सति	स्रतिकर्मा	२	<b>ج</b>	वृहती	द्यावापृथिवी	३	३०
-बब्धा <b>म्</b>	<b>;</b> ;	२	5	बृहस्पति:	पदनाम	X	8
बभस्ति	, ,,	२	5	बेकनाटान्	?}	४	₹
<sup>₋</sup> बर्बु रम्	उदकनाम	१	१२	बेकु:	वाङ्नाम	\$	88
बहंगा	पदनाम	४	3	बेकुरा	37	?	₹ ₹
बह्यति	बधकर्मा	२	38	ब्रध्न:	ऋश्वनाम	8	१४
∘बहि:	श्रन्तरिक्षनाम	8	3	"	महन्नाम	३	₹
<b>7-7</b>	उदकनाम	8	१२	ब्रह्म	उदकनाम	8	१२
39	पदनाम	X	२	<b>;</b> ;	श्रनाम	२	૭
-बहिषत्	महन्नाम	३	3	77	धननाम	२	१०
बहिषि	7.7	ą	3	ब्रह्मश्वस्पि	तः पदनाम	¥	8
बहिष्ठ:	17	३	३	ब्राह्मगावर	₹-		
<b>ब</b> हुले	द्यावापृथिवी	ষ্	३०	ेचारिसा	:-उपमानाम	₹	१३
बाध:	बलनाम	२	3	भगः	धननाम	२	१०
<b>ब</b> ाहू	बाहुनाम	२	8	<b>,</b> ,	पदनाभ	X	Ę
बिस्यति	गतिकर्मा	२	१४	भगाति	श्चचितिकम्	३	१४
बीरिटे	पदनाम	४	2	भगायते	* )	३	१४
<i>-</i> खुन्द:	7. <b>7</b>	४	₹	भनति	37	Ę	88
दुर्बु रः	उदकनाम	8	<b>१</b> २	भन्दते	J	ą	88

पदुम्	अर्थ: अध्याय	<b>ः</b> र	वण्डम्	पदुम्	अर्थः अध्याय	: ख	ण्डम्
भन्दते	ज्वलतिकर्मा	१	१६	भूमिः	पृथिवीनाम	Ş	<b>Q</b> .
भन्दनाः	पदनाम	४	२	भूरि	बहुनाम	३	<b>\$</b>
भरताः	ऋत्विङ्नाम	३	१८	भृगवः	पदनाम	X	X.
भरित्रे	बाहुनाम	२	४	भृग्गियते	ऋध्यतिकर्मा	२	83
भरे	संग्रामनाम	२	१७	भृमि:	पदनाम	8	3
भर्म	हिरण्यनाम	१	२	भेषजम्	उदकनाम	\$	<b>१२</b> %
भर्वति	ग्रत्तिकर्मा	२	<b>ج</b>	<b>)</b>	सुखनाम	३	€,
भविष्यत्	उदकनाम	१	१२	भोजते	ऋ्ध्यतिक <b>मा</b>	२	१२
भसथः	ग्रतिकर्मा	२	5	भोजनम्	धननाम	२	80-
माऋजीक	: पदनाम	४	₹	भ्यसते	उत्तरागि		
भानुः	ग्रहर्नाम	8	3		पदानि	३	35
भामः	कोधनाम	२	१३	भ्रमति	गतिकर्मा	२	88
भामते	कुध्यतिकर्मा	२	१२	भ्राजते	ज्वलतिकर्मा	8	१६.
भारताः	ऋत्विङ्नाम	३	१८	भ्राशते	13	8	१६.
भारती	वाङ्नाम	8	\$ \$	भ्राश्यति	77	8	१६
भास्वती	उषोनाम	8	5	भ्रीगाति	ऋ्ध्यतिकमा	२	१२
भास्वत्यः	नदीनाम	१	१३	भ्रेषति	<b>2</b> 7	२	१२
भुरण्यति	गतिकर्मा	२	१४	भ्लाशते	ज्वलतिकर्मा	\$	१६.
भुरण्युः	क्षिप्रनाम	२	१५	भ्लाशयति	T ,,	१	१ ६.
भुरिजौ	बाहुनाम	२	8	भ्लाशयते	77	Ş	१६
भुवनम्	उदकनाम	8	१२		म		
भू:	पृथिवीनाम	\$	१	मंश्चतुः	ग्रश्वनाम	१	88
17	ग्रन्तरिक्षनाम	१	ą	मंश्चतो	"	8	88
भूतम्	उदकनाम	Ş	१२	मंहते	दानकर्मा	३	२०

पदम्	अर्थ: अध्याः	प: ३	वण्डम्	पद्म्	अर्थ: अध्या	य:	वण्डम्
मक्षु	क्षिप्रनाम	२	१५	मन्द्राजर्न	ो वाङ्नाम	8	ξ <b>ξ</b> .
मख:	यज्ञनाम	₹	१७	मन्धाता	मेधाविनाम	3	<b>१ ५</b> .
मघम्	धननाम	२	80	मन्महे	याञ्चाकर्मा	३	38
मज्मना	बलनाम	२	3	मन्यते	कान्तिकर्मा	२	Ę
मण्डूकाः	पदनाम	ሂ	<b>ર</b>	,,,	श्चर्वतिकर्मा	्र	88.
मतयः	मेधाविनाम	३	१५	मन्युः	कोधनाम	२	१३
मतुथाः	"	३	१५	<b>,,</b>	पदनाम	X	8
मदित	ग्रर्चतिकर्मा	३	१४	ममसत्यम	र् संग्रामनाम	3	१७
मदेमहि	याच्याकर्मा	3	38	मयः	सुखनाम	३	Ę.
मधु	उदकनाम	8	१२	मयूखाः	रश्मिनाम	8	X.
मध्या	पदनाम	8	8	मरीचिपा	;,	\$	X.
मनश्चित्	मेधाविनाम	३	१५	मरुत:	ऋत्विङ्नाम	३	१५
मनामहे	याञ्चाकमा	३	38	<b>*</b> 7	पदनाम	¥	×
मनीषी	मेधाविनाम	३	१५	मरुत्	हिरण्यनाम	\$	3
मनुः	पदनाम	ų	Ę	"	रूपनाम	३	હ
मनुष्याः	मनुष्यनाम	२	₹	मर्ताः	मनुष्यनाम	3	₹.
"	मेधाविनाम	३	१५	मत्याः	<b>77</b>	२	Ą
मन्त्रयते	<b>ग्रर्च</b> तिकर्मा	३	88	मदंति	गतिकर्मा	2	१४
मन्दते	ज्वलतिकर्मा	8	१६	<b>77</b>	वधकर्मा	२	38
77	श्चर्वतिकर्मा	३	१४	मर्याः	मनुष्यनाम	२	₹
मन्दिने	घदना <b>म</b>	ጷ	8	मलिम्लुच	: स्तेननाम	३	२४
मन्दू	<b>77</b>	४	8	मल्मला-			
मन्द्रयते	<b>अर्चतिक</b> मी	३	१४	भवन्	ज्वलतोनाम	8	१७
मन्द्रा	वाङ्नाम	8	8 8	महः	उदकनाम	\$	१२

पदम्	अर्थ: अध्याय	<b>ः</b> ख	(ण्डम्	पदम् अर्थः अध्यायः खण्डम्
महः	महन्नाम	३	3	मिनोति गतिकर्मा २ १४
महत्	उदकनाम	8	१२	मिनोति बधकर्मा २ १६
"	महन्नाम	ą	३	मिमिढ्ढि याञ्चाकर्मा ३ १६
महयति	श्चचितिकमी	३	१४	मिमीहि " ३१६
महाधने	संग्रामनाम	२	१७	मियक्षति गतिकमी २ १४
महिष:	महन्नाम	३	3	मिस्यति ,, २ १४
मही	पृथिवीनाम	8	8	मीढुम् धननाम २ १०
<b>3</b> 3	वाङ्नाम	18	११	मील्हम् " २१०
<i>y</i> ;	गोनाम	२	११	मीलहे संग्रामनाम २ १७
· • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	द्यावापृथिवी-			मुषीवान् स्तेननाम ३ २४
	नाम	३	३०	मूषः पदनाम ४ १
मांश्चत्वः	ग्रश्वनाम	Ş	१४	मृत्युः ,, ५ ५
माकि:	सर्वपद		.,	मृधः संग्रामनाम २ १७
: ·	समाम्नायः	ą	१२	मेघः मेघनाम १ १०
मातरः	नदीनाम	?	<b>१</b> ३	मेध: मेधाविनाम ३ १५
मायते	याञ्चाकर्मा	nz	38	,, यज्ञनाम ३ १७
माया	प्रज्ञानाम	R	3	मेधा धननाम २ १०
मायुः	वाङ्नाम	\$	<b>११</b>	मेधा वनः मेधाविनाम ३ १५
मायुकः	ह्रस्वनाम	३	२	मेना वाङ्नाम १ ११
मार्डिट	गतिकर्मा	२	88	,, उत्तरागि
माहिनः	महन्नाम	३	३	पदानि ३ २६
मित्रः	पदनाम	X	४	मेनिः वज्रनाम २ २०
मिनाति	गतिकमी	२	१४	मेलि: वाङ्नाम १ ११
* **	वधकर्मा	२	38	मेषोभूतो३ —

पदम्	अर्थ: अध्या	य:	खण्डम्	पद्म्	अर्थ: अध्य	ाय: ३	वण्डम्
मि यन्न य	रः उपया <b>ना</b> म	3	१३	यह्नयः	नदीनाम	१	१३
मेहना	पदनाम	४	8	याचित		२	१६
मोकी	रात्रिनाम	8	હ	यातयति	वधकर्मा	२	38
म्यक्षति	गतिकमा	२	१४	याति	गतिकर्मा	२	१४
	य			याद:	उदकनाम	?	१२
यज्ञ:	यज्ञनाम	३	१७	यादुः	,,	\$	83
यतते	गतिकमी	२	१४	यादृश्मिन्	पदनाम	8	3
यतस्र चः	ऋत्विङ्नाम	३	१८	यामि	याश्वाकर्मा	३	38
यदव:	मनुष्यनाम	२	ঽ	यावति	वधकर्मा	२	38
यन्तारः	याञ्चाकमी	३	3 \$	युगत्	क्षिप्रनाम	२	8 X.
यन्ति	<b>;</b> ;	३	3 \$	युध्यति	गतिकमा	२	88.
यन्धि	"	३	38	युध्यते	17	२	88
यमः	पदनाम	ሂ	४	योक्त्रागि	ग्रङ्गुलिना	म २	×
<b>3</b> 7	77	ሂ	Ę	योजनानि	"	२	X
यमी	पदनाम	ሂ	×	योनिः	उदकनाम	\$	१२
यम्या	रात्रिनाम	8	૭	,,	गृहनाम	3	8
यव्याः	नदीनाम	Ş	१३	योशिष्टि	गतिकमी	२	88
यश:	उदकनाम	8	१२	योषिष्टि	"	२	88
"	ग्रन्नाम	२	૭	यौति	श्चर्मतिक मी	३	88
"	धनदाम	२	१०	:	₹		
यह∶	उदकनाम	१	१२	रंसु	पदनाम	४	3
<b>f</b> y	वलनाम	२	3	रंहति	गतिकर्मा	7	^
यहु:	श्रपत्यनाम	२	२	र जः	रात्रिनाम	8	Ų
यह्नः	महन्नाम	३	३	"	पदनाम	8	<b>\$</b> 4

पदम्	अर्थ: अध्याय	: ख	ण्डम्	पदम्	अर्थ: अध्याय	: श्वप	<b>।</b> डम्
रजति	गतिकर्मा	२	१४	राजति	ऐश्वर्यकर्मा	२	<b>? ?</b>
रजयति	श्चर्चतिकर्मा	३	१४	राति	गतिकर्मा	२	१४
रजसी	द्यावापृथिवीनाम	३	३०	राति	दानकर्मा	R	२०
रञ्जयति	श्चर्यतिकर्मा	३	१४	रात्रिः	पदनाम	ሂ	3
रगः:	संग्रामनाम	२	१७	राधः	धननाम	२	१०
रत्नम्	धननाम	२	१०	राम्या	रात्रिनाम	ξ	છ
रथ:	पदनाम	ሂ	3	रायः	धननाम	Ę	१०
रथर्यति	गतिकर्मा	२	१४	राष्ट्री	ईश्वरनाम	२	२२
7.7	पदनाम	४	3	रासः	वाङ्नाम	8	११
रभसः	महन्नाम	३	₹	रासति	दानकर्मा	३्	२०
रम्गाति	वधकर्मा	२	38	रासभाव	- ग्रादिष्टोप-		
रम्भः	उत्तरागि			श्विनोः	योजनानि	8	१५
	पदानि	३	35	रास्पिनः	पदनाम	8	३
रम्या	रात्रिनाम	\$	હ	रिक्थम्	धननाम	२	१०
रयिः	उदकनाम	\$	१२	रिक्वा	स्तेननाम	ऋ	२४
<b>3 3</b>	धननाम	२	१०	रिएाति	गतिकर्मा	२	१४
रशनाः	<b>ग्र</b> ङ्गुलिनाम	२	x	रिण्वति	"	२	१४
रश्मय:	रिश्मनाम	8	X	रितक्वा	स्तेननाम	3,	२४
रश्म्य:	2.7	8	x	रिप:	पृथिवीनाम	8	8
रसः	वाङ्नाम	8	88	रिपुः	स्तेननाम	Ŗ	२४
"	उदकनाम	\$	१२	रिभ्व।	733	3	२४
17	<b>ग्रन्नाम</b>	२	૭	रिरिढ्ढ	याश्चाकर्मा	T¥.	38
रसति	<b>श्चर्चतिक</b> र्मा	३	१४	रिरीहि	"	भ	3 9
राका	पदनाम	ሂ	x	रिशादस	: पदनाम	8	3

<b>"पदम्</b>	अर्थै: अध्यार	<b>यः</b> ख	ण्डम्	पदुम्	अर्थः अध्याय	ि •	ण्डम्
रिहति	ग्रर्चतिकर्मा	<b>3</b>	१४	रोदसी	द्यावापृथिवी-		
रिहम्	ह्रस्वनाम	३	२		नाम	३	३०
रिहायाः	स्तेननाम	३	२४	रोधचकाः	नदीनाम	8	१३
रिह्वा	11	3	२४	रोदसी	पदनाम	¥	X
रीयते	गतिकमी	२	१४	रोधसी	द्यावापृथिवी-		
रुवमम्	हिरण्यनाम	8	२		नाम	Ą	३ ०
रुजानाः	नदीनाम	8	१३	रोधस्वत्य	नदीनाम	?	१३
"	षदनाम	8	7 <b>2</b>	रोहित:	,,	8	१३
रुद्र:	स्तोतृनाम	3	१६	<b>3</b> 7	<b>ग्र</b> ङ्गुलिनाम	२	x
"	पदनाम	X	8		ने स्रादिष्टोपयोज		१५
-रुद्राः	<i>3)</i>	ሂ	×	रौति	ग्रर्चतिकर्मा	¥	१४
रुशत्	9)	४	'n	रोहिगाः	मेघनाम	8	१०
रुल्हति	गतिकर्मा	२	१४		ल		
रेक्गाः	धननाम	२	१०	•	_	_	
रेजति	गतिकमी	२	१४	लजति	गतिकर्मा	<b>ર</b>	88
रेजते	उत्तरागि			लोटते	**	२	१४
	पदानि	<del>व</del> ्	२६	लोठते	23	२	88
रेत:	उदकनाम	\$	१२	लोधम्	पदनाम	ሄ	8
रेभ:	स्तोतृनाम	<del>प</del> ्	१६	लोहम्	हिरण्यनाम	8	२
रेभति	स्रचंतिकर्मा	π	१४		व		
रेलते	ऋध्यतिकर्मा	२	१२	वक्षः	पदनाम	४	२
रेवत्यः	नदीनाम	१	१३	वक्षगाः	नदीनाम	१	१३
रैवत:	मेघनाम	8	१०	व्गनु:	वाङ्नाम	8	११
रोचते	ज्वलतिकर्मा	<b>?</b>	१६	वज्रः	वज्रनाम	२	२०

पदम्	अर्थः अध्याः	य; र	वण्डम्	पदम्	अर्थः अध्य	भायः ख	ण्डम्
वञ्चति	गतिकर्मा	२	१४	वराहः	पदनाभ	8	₹.
वदति	) <b>j</b>	२	१४	वरिवः	धननाम.	. २	<b>₹ o</b> +
वधः	बलनाम	२	3	वरुगः	पदनाम्	<del>ኒ</del>	8.
j <b>3</b>	वज्रनाम	२	२०	3.7	<b>)</b> )	×	€.
वध्वः	नदीनाम	\$	१३	वरूथम्	गृहनाम	३	8:
वनम्	रिशमनाम	8	ሂ	वर्गः	बलनाम	२	3
<b>,</b>	उदकनाम	?	१२	वर्चः	<b>ग्रन्नाम</b>	२	<b>'9</b> :-
वनर्गु:	स्तेननाम	Ą	२४	वर्तते	गतिकमाः.	२	88.
वनस्पति:	पदनाम	X	२	वर्षः	रूपनाम	३	روا
वनुष्यति	ऋध्यतिकर्मा	२	१२	वर्म	गृहनाम	३	8.
, ,	पदनाम	४	२	वर्यः	नदीनाम	8	83
वनोति	कान्तिकर्मा	२	Ę	वर्हयति	वधकर्म	2	28
वन्दते	श्रर्चतिकर्मा	3	१४	वल:	मेघनाम		<b>ξ σ</b> ≈
वपुः	उदकनाम्	8	१२	वलाहकः	<b>,</b> >-	8	8.0
. 17	रूपनाम	3	૭	विलिशानः	<b>5</b> %	8	<b>१ ∞</b>
वम्रकः	ह्रस्वनाम्	३	२	वल्गुः	वाङ्नाम	8	<b>१ १</b> :
वम्रीभिः	उत्तरास्मि			वल्गूयति	गतिकम्ह	२	88.
•	पदानि	રૂ	२६	77	श्चर्च तिकमी	3	8 8°
वयाः	श्रनाम	२	હ	वविक्षथः	महन्नाम	₹	₹
वयुनम्	प्रशस्यनाम	३	5	वव्र:	कूपनाम	३	₹₹
12	प्रज्ञानाम	<del>व</del> ्	3	वि्र:	रूपनाम	३	ري
23	पदनाम	8	ं २	वश्मि	कान्तिकमा	२	Ę
वर:	कोधनाम	२	१३	विष्ट	<b>1)</b>	२	£.
वराहः	मेघनाम	8	१०	वसवः	रश्मिनाम	. 8	×

पदम्	अर्थ: अध्याय	. खण	डम्	पद्म्	अर्थ: अध्यार	प: ख <sup>ण</sup>	डम्
<u> </u>		u .	Ę	वाजिनीवती	उषोनाम	१	<u>~</u>
वसवः	पदनाम	<b>3</b>	,	वाजी	ग्रश्वनाम	8	88
वसी	रात्रिताम	Ś	9			े - २	<i>δ Թ</i> ~-
वसु	<b>5</b> 3	8	9		ZIMIALICA	`	•
) )	धननाम	२	१०	वाञ्छति	कान्तिकर्मा	२	€(:"
वस्तों:	भ्रहनीम	8	3	वागाः	वाङ्नाम	<b>१</b>	<b>१</b> १.
वस्वा	रात्रिनाम	?	9	वाग्गी	"	१	• •
वस्वी	रात्रिनाम	१	૭	वागाीची	3.7	8	११
वहते	गतिकमी	२	88	वातः	पदनाम	X	<b>&amp;</b> "
विह्निः	ग्रश्वनाम	१	१४	वातरंहाः	क्षिप्रनाम	२	8 K.
वा:	उदकनाम	8	१२	वाताप्यम्	पदनाम	ጸ	3
वाक्	वाङ्नाम	8	११	वाति	गतिकमी	२	88
	पदनाम	ሂ	×	वामः	प्रशस्यनाम	3	<b>5</b>
" वाधतः	मेधाविनाम	३	१५	वायुः	पदनाम	X	8
<b>, ,</b>	ऋत्विङ्नाम	३	१८	वारि	उदकनाम	8	१२
* *	रति: पदनाम	¥	४	वार्यम्	पदनाम	४	₹
वाज:	ग्रन्नाम	२	૭	वार्यागाम्	ग्रश्वनाम	१	88
,,	बलनाम	२	3	वार्वत्यः		\$	१३
	ध्यम् पदनाम	४	२	वावशानः		४	₹.
वाजपर	•	४	२	1	वाङ्नाम	8	<b>१</b> १
	ति ग्रर्चितिकमी	3	१४	,,	पदनाम	४	<b>\$</b> ,
				वासरम्	ग्रहनीम	१	<b>E</b>
_	तौ संग्रामनाम	۲.	<b>,</b> 0		तिः पदनाम	ሂ	8
वाजिन				1	1/11. 4.4.11.11	×	<b>\$</b> ~
वाजि	नवती उषोनाम	•	5	वाहः	1)		
वाजि	नी "	8	4 <b>5</b>	वाहिष्ठः	**	8	₹

पद्म्	अर्थ: अध्याय	ि: ख	<b>ग्डम्</b>	पदम्	अर्थ: अन्या	य: र	वण्डम्
विखाद:	संग्रामनाम	२	१७	विभ्रा:	श्रङ्गुलिनाः	न २	ሂ
विग्र:	मेधाविनाम	Ą	१५	वियत्	<b>अन्तरिक्षना</b>		<b>ą</b>
विचर्षािः	पश्यतिकर्मा	Ŗ	११	वियातः	वधकर्मा	2	3 \$
विचष्टे	<b>,</b> ,	n	११	वियुते	पदनाम	४	8
विजामातुः	पदनाम	४	३	विरप्शी	महन्नाम	३	३
विट्	बलनाम	२	3	विवक्षसे	महन्नाम	3	३
वित्तम्	धननाम	२	१०	विवस्वन्त:	मनुष्यनाम	२	₹
विदथ:	यज्ञनाम	ηγ	१७	विवाक्	संग्रामनाम	7	१७
विदथानि	पदनाम	8	३	विवासति	परिचरगाकम	३	ሂ
विद्रधे	,,	४	8	विश:	मनुष्यनाम	२	₹
विधाता	मेधाविनाम	<b>ą</b>	१५	विश्वकर्मा	पदनाम	X	ጸ
<b>3</b> 7	पदनाम	x	y		: पश्यतिकर्मा	३	११
विधेम	परिचरग्गकर्मा	<b>7</b> 2	પ્ર	विश्वम्	बहुनाम	३	8
विनङ्गृसौ	_	2	8	विश्वरूपा ————	स्रादिष्टो- 		<b>.</b>
विप:	श्रङ <b>्ग्</b> लिनाम	٠ ٦	y	बृहस्पते: •	पयोजनानि	ζ.	१५
"	मेधाविनाम	` 3	१५	विश्वानरः	पदनाम	ሂ	ሂ -
विपन्यवः		3	१५	)) C	"	ሂ	Ę
विपन्यू:	" मेघाविनाम	3	१५	विश्वे देवाः	_	ሂ	Ę
विपश्चित् विपश्चित्		_		विषम्धिः	मेघनाम	?	१०
_	11	₹ ^	!	•	उदकनाम	\$	१२
	वाङ्नाम				गतिकर्मा	२	88
_	ो पदनाम			विषुग्गः	पदनाम	४	8
िविप्र:	मेधाविनाम	₹	१५	विष्टपम्	साधारणनाम	8	8
विभावरी	उषोनाम	8	5	विष्टी	कर्मनाम	ঽ	8

पदम्	अर्थः अध्याय	ा: ख <sup>र</sup>	'डम्	पदम्	अर्थ: अध्याय	<b>ः</b> ख	ण्डम्
विष्ट्वी	कर्मनाम	२	१	वृन्दम्	पदनाम	४	<b>ર</b>
विष्गु:	यजनाम	<b>ર</b>	१७	वृश:	<b>ग्र</b> ङ्गुलिनाम	२	X
"	पदनाम	४	२	वृश्चित	वधकर्मा	२	38
17	<b>)</b> )	ሂ	Ę	51	दानःकर्मा	भ	२०
विष्पित:	1 2	४	३	वृषन्धिः	मेघनाम	8	80
विसति	कान्तिकर्मा	२	દ્દ	वृषभ:	पदनाम	ሂ	3
विस्रुह:	पदनाम	४	३	वृषाकपायी	**	ሂ	દ્
विहायाः	महन्नाम	३	३	वृषाकपि:	3.7	ሂ	Ę
वीजम्	<b>ऋप</b> त्यनाम	२	२	वेकु:	वाङ्नाम	8	88
वीरुध:	पदनाम	४	३	वेति	कान्तिकर्मा	२	Ę
वीलु	बलनाम	२	3	<b>9</b> )	स्रतिकर्मा	२	5
्वृक:	वज्रनाम	२	२०	"	गतिकर्मा	२	१४
"	स्तेननाम	३	२४	वेद:	धननाम	२	१०
वृ <b>क</b> :	पदनाम	४	२	वेधाः	मेधाविनाम	३	१४
्रवृक्	बलनाम	२	3	वेनः	मेधाविनाम	३	१५
वृक्तबहिषः	ऋत्विङ्नाम	३	१८	) )	यज्ञनाम	भ	१७
वृक्षस्यनुतेपु				,,	पदनाम	x	8
रुहृतवयाः	नाम	३	१३	वेनित	कान्तिकमी	२	Ę
वृजनम्	बलनाम	२	3	,,	गतिकर्मा	२	88
वृग् िक	वधकर्मा	२	38	,,	श्चर्यतिकर्मा	३	88
<b>चृतम्</b>	धननाम	२	१०	वेपः	कर्मनाम	२	\$
वृत्रः	मेघनाम	१	१०	वेवेष्टि	ग्रतिकर्मा	२	=
<b>बृत्रतूर्ये</b>	संग्रामनाम	२	१७	वेश:	कर्मनाम	२	8
<sub>वृत्रम्</sub>	धननाम	२	१०	वेशति	कान्तिकर्मा	२	Ę

पद्म्	अर्थः अध्याः	य: र	वण्डम्	पदम्	अर्थः अध्या	य:	खण्डम्
वेशिष्टि	गतिकमी	२	१४	व्रिश:	ग्रङ्गुलिनाम	1 3	¥.
वेष:	कर्मनाम	२	8		হা		•
वेषिष्टि	गतिकर्मा	२	१४	शंयो:	पदनाम	४	€.
वेष्टि	कान्तिकर्मा	२	Ę	शंसति	श्चर्चतिकर्मा	३	88
वेसति	;;	२	Ę	शंसनत्	कान्तिकमी	२	<b>E</b>
वैतसः	उत्तराणि			शकम्	उदकनाम	१	83
	पदानि	3	38	शकुनि:	पदनाम	¥	
वैश्वानरः	पदनाम	ሂ	8	शक्तिः	कर्मनाम	२	€.
व्यथि:	क्रोधनाम	२	१३	शक्म	7)	२	<b>\$</b> :
व्यथ्ययः	<b>ग्र</b> श्वनाम	8	१४	शक्मम्	77	२	<b>?</b> .
व्यन्त:	पदनाम	४	8	शक्वरी	बाहुनाम	२	<b>X</b>
व्यानिशः	बहुनाम	३	१	73	गोनाम	२	8.8.
व्योम	ग्रन्तरिक्षनाम	8	ą	शस्धि	याच्ञाकर्मा	ą	38
<b>3</b> 3	दिङ्नाम	8	Ę	श्रम	कर्मनाम	२	<b>\$</b> :
"	उदकनाम	8	१२	शग्मम्	सुखनाम	3	Ę
व्रज:	मेघनाम	8	१०	शग्म्यम्	1)	3	€.
व्रजति	गतिकर्मा	२	१४	शची	वाङ्नाम	१	\$ \$.
<b>त्र</b> तम्	कर्मन∤म	२	१	, <b>,</b>	कर्मनाम	2	ξ.
व्रन्दी	पदनाम	४	2	<b>)</b> )	प्रज्ञानाम	¥	3
<b>द्रा</b> :	 29	४	२	शतम्	बहुनाम	३	\$
व्राताः	मनुष्यनाम	२	₹	शतरा	सुखनाम	7	Ę
व्राधत्	महन्नाम	३	३	शब्द:	वाङ्नाम	१	११
व्राधन्	<i>i</i>	३	त्र	शमी	कर्मनाम	२	. &
व्राधम्	) <b>)</b>	३	₹	शम्	सुखनाम	3	

<b>'पदम्</b>	अर्थः अध्याय	: ख	ण्डम्	पदम्	अर्थः अध्या	य: ख	ण्डम्
शम्नाति	वधकर्मा	२	38	शाशदानः	पदनाम	४	<b>ર</b>
णम्ब:	पदनाम	४	२	शिक्षति	दानकर्मा	R	२०
शम्बर:	मेंघनाम	१	१०	शिताम	पदनाम	४	8
शम्बरम्	उदकनाम	8	१२	शिपिविष्ट:	 2 <b>7</b>	8	7
) )	बलनाम	२	3	शिप्रे	"	X	8
अरगम्	गृहनाम	३	8	7.7	;;	8	3
शरारुः	पदनाम	४	३	शिमी	कर्मनाम	₹.	\$
अर्घ:	बलनाम	२	3	शिम्बाता	सुखनाम	રૂ	६
अमं	गृहनाम	3	8	शिरिगा	रात्रिनाम	\$	૭
,,	सुखनाम	3	Ę	शिरिम्बिठः	पदनाम	४	3
ञ्चर्याः	• श्रङ्गुलि <b>ना</b> म	1 २	ሂ	शिलगृ:	सुखनाम	3	६
· <b>)</b> †	पदनाम	8	२	शिल्पम्	कर्मनाम	₹	8
श्वंरी	रात्रिनाम	ξ	છ	. 31	रूपनाम	<b>3</b> 4	<b>e</b>
भ्व:	उदक्नाम	8	१२	शिवम्	सुखनाम	3	Ę
. 3 3	बलनाम	२	3	शिशीते	पदनाम	X	8
1)	धननाम	२	१०	शिष्यम्	रूपनाम	३	૭
ॱशवति	गतिकर्मा	२	१४	शीभम्	क्षिप्रनाम	२	१५
शवति	परिचरगाकम	र्ग ३	¥	शीरम्	पदनाम	४	\$
शशमानः	श्चर्चतिकर्मा	३	१४	गु	क्षिप्रनाम	8	१५
<b>)</b> "	पदनाम	४	३	शुक्रम्	उदकनाम	8	१२
शश्वत्	बहुनाम	३	8	शुघनसाः	क्षिप्रनाम	२	१५
श्रष्यम्	रूपनाम	३	ja	शुनम्	शुखनाम	₹	દ્
शाखाः	ग्रङ <b>्गुलिना</b> ः	म २	¥	शुनासीरौ	पदनाम	ŭ	ą
ःशातपन्ता	सुखनाम	3	६	शुभम्	उदकनाम	8	१२

पदम्	अर्थ: अध्याः	यः खण्डम्	पदम्	अर्थ: अध्य	ाय: खण्डम्
शुरुध:	पदनाम	४ ३	श्यावाः	म्रादिष्टोप	
शुष्णम्	बलनाम	3 8	सवितुः	योजनानि	११५
शुष्मम्	<b>3</b> 3	२ ६	श्यावी	रात्रिनाम	8 19
श्रु:	क्षिप्रनाम	२ १५	श्येन:	पदनाम	X X
शूघनाः	, >	२ १५	श्येनास:	श्रश्वनाम	8 8 %
शूघनाशः	2 2	२ १५	श्रत्	सत्यनाम	ે ફ જે
शूघनास:	9 9	२ १५	श्रयति	वधकर्मा	3
शूरसातौ	संग्रामनाम	२ १७	श्रद्वा	पदनाम	५ ३
श्रुताः	क्षिप्रनाम	२ १५	श्रव:	श्रनाम	7 6
शूषम्	बलनाम	3 8	,,	धननाम	२ १०
शूषम्	सुखनाम	३ ६	श्रायन्त:	पदनाम	<b>ል</b> ∌∘
श्रृङ्गाणि	ज्वलतो नाम	११७	श्रीए।	रात्रिनाम	<b>१</b> ७
श्रुगाति	वधकर्मा	3 \$ 8	श्रुष्टी	पदनाम	४ ३
शेप:	उत्तरागि		श्लथति	वधकर्मा	3 8 8
	पदानि	३ २६	श्लोक:	वाङ्नाम	8 8 8
शेवम्	सुखनाम	३ ६	श्वन्नी	पदनाम	४ २
शेवृधम्	**	३ ६	श्वसति	वधकर्मा	3
शेष:	श्रपत्यनाम	२ २	श्वसिति	,,	3 ? 8
शोकी	रात्रिनाम	१६	श्वात्रति	गतिकर्मा	२ १४
शोचित	ज्वलतिकर्मा	११६	श्वात्रम्	धननाम	२ १०
शोचिः	ज्वलतो नाम	११७	श्चात्रम्	पदनाम	४ २:
श्चोति	गतिकमा	२ १४	श्वेंत्या	उषो नाम	<b>१</b> ८.
श्रयति	वधकर्मा	२१६		ष	
<b>श्मश्रा</b>	षदनाम	४ २	षःकति	गतिकर्मा	₹ 88

पद्म्	अर्थः अध्यायः	ख	ग्डम्	पद्म्	अर्थ: अध्याय:	ख	ण्डम्
ष्व:कति	गतिकमी	२	१४	सतीकम्	उदकनाम	8	१२.
ष्वष्कति	,,	२	88	सतीनम्	, <b>,</b>	8	१२:
	स			सत्	<b>7</b> 3	8	१२.
संयत्	संग्रामनाम	२	१७	सत्यम्	1,	\$	१२
संयुगे	,,,	२	१७	सत्रा	सत्यनाम	३	80
संवत:	27	२	१७	सदनम्	उदकनाम	8	<b>१</b> २.
संवतम्	,,	२	१७	सदसी	द्यावापृथिवी-		
सक्षति	गतिकर्मा	२	१४		नाम	भ्	३०∙
सगर:	श्रन्तरिक्षनाम	8	3	सदान्वे	पदनाम	४	3
सगरम्	"	8	३	सद्म	उदकनाम	१	१२.
सग्मन्	संग्रामनाम	२	१७	<b>21</b>	संग्रामनाम	२	<b>१७</b> ∘
सङ्काः	, ,	२	१७	<b>*</b> 9	गृहनाम	३	8
सङ्खे	; •	२	१७	सद्मनी	द्यावापृथिवी-		
सङ्ख्ये	, ,	२	१७		नाम	३	३० ∘
सङ्गथे	<b>, 1</b>	२	१७	सधे	<b>35</b>	३	३०
सङ्गम	<b>3 9</b>	२	१७	सनाभय:	<b>ग्र</b> ङ्गुलिनाम	२	<b>4</b>
सङ्गे	27	२	१७	सनुतः	निर्णीतान्त-		
सचित	गतिकमी	२	१४		हितनाम	३	२४:
सचते	उत्तराग्रि			सनेमि	पुरागानाम	३	२७
	पदानि	ą	35	सपति	परिचरगकम	ी ३	<b>4</b> .
सचा	पदनाम	४	२	**	श्चितिकमी	3	88
सत:	उत्तराणि			सपर्यति	परिचरगाकम श्रचंतिकमी परिचरगाकमी	३	<b>X</b> ,
	पदानि	₹	38	सप्तऋषय	रश्मिनाम	\$	<b>L</b>
सतिनम्	उदकना <b>म</b>	₹	१२	I .	पदनाम	X	Ę

षदम्	अर्थ: अध्याय	: खण्डम्	पदम्	અર્થ: અધ	याय: खण्डम्
सप्तिः	अश्वनाम	8 88	सरस्वान्	पदनाम	५ ४
सप्रथा:	ददनाम	४ ३	सरित:	नदीनाम	११३
सदाधः	ऋत्विङ्नाम	३ १ द	सरिरम्	बहुनाम	₹ १
समत्सु	संग्रामनाम	२ १७	सर्गाः	उदकनाम	११२
समनम्	2 7	२ १७	संगीकम्	उदकन।म	११२
समनोके	,,	२ १७	सर्पति	गतिकर्मा	5 88
समरण	,,	२१७	सिं:	उदकनाम	११२
समर्ये	,,	२ १७	सर्वम	9 5	११२
समस्य	पदनाम	४ २	समृ ते	गतिकर्मा	२ १४
समिति:	संग्रामनाम	२ १७	-सललूक <b>म्</b>	पदनाम	४ ३
समिथे	,,	२ १७	सलिलम्	उदकनाम	११२
समोके	,,	२१७	, ,	बहुनाम	<b>३</b> १
समीथे	1;	२ १७	सवनम्	यज्ञनाम	३ १७
समुद्र	ग्रन्तरिक्षनाम	१३	सविता	पदनाम	x x
	पदनाम	५ ६	भवीमनि	<b>, , , , , , , , , , , , , , , , , , , </b>	प्र ६ ४ ३
समोहे	संग्रामनाम	२ १७	सश्चति	,, गतिकमी	٦ १ <b>४</b>
सम्मोहे	, ,	२ १७	स <b>सम</b> ्	श्रन्नाम	ر د ج ن
सर:	वाङ्नाम	१११		पदनाम	ا ا ا
<b>,</b> †	उदकनाम	११२	ः सस्ति	स्वपितिकर्मा	
सरण्यू	पदनाम	प्र ६		पदनाम	·
सरमा	<b>,</b>	ሂ ሂ	•	गतिकर्का	<b>२</b> १४
सरस्वती	वाङ्नाम	<b>१</b> ११		नदीनाम्	१ १३
"	पदनाम	५ ५		नपानि निग्तिनन्त-	<i>5</i>
सरस्वत्यः	नदीनाम	8 83	_	हतनाम	३ २५

पदम्	अर्थः अध्या	यः खण्डम्	पदम्	अर्थः अध्याय	: खण	डम्
सह:	उदकनाम .	<b>१</b> 7- <b>१</b> २	सुकम्	सर्वपदसमा-		
सह:	बलनाम	२ ६		म्नायः	3	१२
सहस्रम्	बहुनाम	<b>३</b> १	सुक्षेम	उदक्ताम्	. 8	83
	क्षिप्रनाम	२ १५	सुक्षेमा	. ,,	8	83
साचीवत	<b>)</b> •	२ १५	सुक्षोम	<b>))</b>	8	१२
साचीवित्		२ १५	सुखम्	,,	8	83
साध्याः	रिश्मनाम	१५	सुरम्यम्	सुखनाम	3	६
<b>,,</b>	पदनाम	५ ६	सुत:	ग्रन्नाम	२	y
सायक:	वज्रनाम	२ २०	सुतम्	,,	२	9
सिनम्	ग्रन्नाम	२ ७	सुतुकः	पदनाम	Å	. \$
,,	पदनाम	४ २	सुत्	स्तोतृनाम	. ₹	१६
सिनीवाल	٦.,	પ્ર પ્	सुदत्रः	पदनाम	४	₹
सिन्धव:	नदीनाम	११३	सुदिनम्	सुखनाम	3	Ę
सिरा	उदकनाम	११२	सुनीय:	प्रशस्यनाम	₹	5
सिषक्ति	उत्तराणि		सुपर्गः:	पदनाम	X	8
	पदानि	३ २६	सुपर्गा	वाङ्नाम	8	8.8
सिषक्त	उत्तरागि		सुपर्गाः	रिंमनाम	8	×
	पदानि	3 78	,,	ग्रश्वनाम	१	१४
सिसति	गतिकर्मा	२ १४	सुपर्णी	वाङ्नाम	8	११
सिस्रति	,,	२ १४	सुप्रायगा	: पदनाम	४	8
सीनम्	मन्नाम	२ ७	सुमत्	<b>3 7</b>	8	₹
सीम	पदनाम	४ २	सुम्नम	सुखनाम	ą	Ę
सीयते	गतिकर्मा	२ १४	सुम्नावरी	उषो नाम	१	5
सीराः	नदीनाम	११३	सुरा	उदकनाम	8	१२
			190 0333			

TA A A

1

पदम्	अर्थ: अध्याय	: खण्डम्	पदम्	अर्थः अध्यार	ाः खण्डम्
सुविते	पदनाम	8 8	स्तामुः	स्तोतृनाम	३१६
सुविदत्रः	"	४ ३	स्तिपाः	पदनाम	४ ३
सुशिप्रः	पदनाम्	४ ३	स्तियानाम	्पदनाम	४ ३
सुहस्त्याः	<b>ग्रङ्</b> गुलिनाम	२ ४	स्तुप्	स्तोतृनाम	₹ <b>१६</b>
सूद:	कूपनाम	३ २३	स्तृगाति	वधकर्मा	3 9 8
सूनरी	उषो नाम	<b>१</b> =	स्तृभि:	उत्तरांगि पदा	नि३ २६
सूनु:	ग्रपःयनाम	२ २	स्तोमति	श्चंतिकर्मा	<b>३</b> १
सूनृता	उषो नाम	<b>१</b> =	स्तौति	<b>3</b> 7	३ १४
"	भ्रन्नाम	२७	स्नेहति	वधकर्मा	39 9
सूनृतावती	उषो नाम	۶ ح	स्नेहयति	<b>,</b> †	38 8
सूनृतावरी	**	<b>१</b> =	स्परमन्	संग्रामनाम	२ १७
सूरा	उदकनाम	११२	स्पृघ:	**	२ १७
सूरि:	स्तोतृनाम	3 १६	स्फुरति	वधकर्मा	38 8
सूर्ते	पदनाम	४ ३	स्फुलति	,,	38 8
सूर्यः	<b>13</b>	५ ६	स्यन्दति	गतिकर्मा	3 88
सूर्या	वाङ्नाम	१११	स्यन्दते	3.7	२ १४
**	पदनाम	४ ६	स्यन्द्रासः	बलनाम	₹ €
सृकः	वज्रनाम	२ २०	स्यमति	गतिकर्मा	२१४
सृश्णिः	पदनाम	४ २	स्यूमकम्	सुखनाम	₹ <b>६</b>
सृप्र:	<b>79</b>	४ ३	स्योनम्	<b>37</b> .	₹ <b>६</b>
सेघति	गतिकर्मा	२ १४	स्रंसति	गतिकमी	२ १४
सोमः	पदनाम	५ ५	स्र सते	77	२:१४
सोमानम्	<b>)</b> •	४ ३	स्रवति	<b>,</b>	२ १४
सोमा ग्रक्षा	: ,,	४ २	स्रवन्त्य:	नदीनाम	११३

पदम् अर्थः अध्याय	: खण्डम्	षद्म्	अर्थ: अध्याय	: खण्डम्
स्रोतः उदकनाम	११२	स्वस्तिः	पदनाम	X X
स्रोत्याः नदीनाम	११३	स्वाहा	वाङ्नाम	११
स्वः साधारगानाम	१४	स्वाहा-	•	
,, उदकनाम	११२	कृतयः	पदनाम	4 २
स्वञ्चाः पदनाम	४ २	स्वृतीकम्	उदकनाम	१ १२
स्वदति ग्रर्चतिकर्मा	३१४	·	₹	
स्वधा उदकनाम	११२	हंसास:	श्रश्वनाम	११४
,, ग्रनाम	२ ७	हिंगिः	ज्वलतो नाम	११७
स्वधिति: वज्रनाम	२ २०	हनति	गतिकर्मा	२ १४
स्वघे द्यावापृथिवी-		हन्तात्	1 7	-२ १४
. नाम	३ ३०	हन्ति		२ १४
स्वनः वाङ्नाम	१११	हम्मति	3 g	२ १४
स्वपिति ग्रचतिकर्मा	३ १४	हम्यति	**	२१४
,, स्विपितिकर्मा	३ २२	हय:	ग्रश्वनाम	११४
स्वयम्भू: अन्तरिक्षनाम	१३	हयति	गतिकर्मा	२ १४
स्वरः वाङ्नाम	१११	हयन्तात्	>7	२ १४
स्वरति गतिकर्मा	२ १४	हर:	ज्वलतो नाम	११७
,, श्रचेतिकर्मा	३ १४	<b>7</b> ,	ऋोधनाम	२१.३
स्वर्णीकम् उदकनाम	१. १२	,,	पदनाम	8 8
स्वसराणि अहनीम	3 8	हरयः	मनुष्यनाम	२ ३
,, गृहनाम	ર ૪	हरयागः	पदनाम	४ २
, पदनःम	४ २	हरस्वत्य:	नदीनाम	११३
स्वसार: ग्रह्गुलिनाम	२ ५	हरित:	दिङ्नाम	१६
स्वस्ति स्विपतिकर्मा	३ २२	7.7	नदीनाम	१३

पद्म्	अर्थः अध्याय	ख्	डम्	पदम्	अर्थ: अध्याय	: ख	डम्
हरितः	ग्रह गुलिनाम	.२	¥	हुरश्चित्	स्तेननाम	<b>३</b>	२४
हरित	म्रादिष्टोपयो-	*		हृिंगः	ज्वलतो नाम	. •	<b>१</b>
म्रादित्यस	य जनानि	8	१५	•,	कोधनाम	?	\$ ₹
हरी इन्द्र	स्य "	?	१५	हणीयते	त्रध्यतिकर्मा	?	83
हम्यंम्	गृहनाम	3	४	हेति:	वज्रनाम	?	२०
हर्यति	कान्तिक मर्ग	२	Ę	ंहे <b>म</b>	हिरण्यनाम	8	3
हर्यति	गतिकर्मा	२	१४	,,	उदकनाम	8	१२
हवि:	उदकनाम	१	१२	हेमा :	हिरण्यनाम	8	?
हविधाने	पदनाम	ય	३	,,	उदकनाम	8	१२
हस्त घ्रः	,,	×	Ę	हेरू:	कोधनाम	२	१३
हासमाने	,,	४	₹.	हेव्रते	ऋध्यतिकर्मा	२	१२
हिकम्	सर्वपदसमाम्नाय:	ą	१२	होत्रा	वाक नाम	8	११
हिनोत	पदनामः	K	ą	••	यजनाम	3	80
हिम	रात्रिनाम	१	9	हस्व:	हस्वनाम	₹	२
हिमा	, <b>,</b> .	8	છ	ह्वयति	श्रक्तिकर्मा	3	5
हिरण्यम्	हिरण्यनाम	ş	2	ह्वयति	ग्रचंतिकर्मा	₹	88
हिरण्य-				ह्वयते	<b>&gt;</b> ,	3	88
वर्णाः	नदोनाम	8	१३	ह्नरः	कोधनाम	२	१३
हिरुक्	निर्गीतान्त-	**	90.00 88	ह्वरति	ग्रत्तिकर्मा	२	5
	हितनाम	३	२५	1 3.3	म् ग्रश्वनाम	8	१४